Vastu Guruji
वास्तु हेतु संपर्क करें...
मो.नं. 9074110000
9770888888

दैनिक
सकार भारत
रायपुर-आरएनआई रजि. CHHBIL/2023/88684

वर्ष : 3 अंक : 209 पृष्ठ : 8 मुल्यः 1:00 रायपुर, गुरुवार 13 अगस्त, 2026 www.sakarbharat.com

मंत्री रामविचार नेताम ने केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से दिल्ली में की सौजन्य मुलाकात

बलरामपुर और रामानुजगंज को जल्द मिलेगा बायपास की सौगात

रायपुर। छत्तीसगढ़ के आदिम जाति विकास मंत्री एवं रामानुजगंज विधायक रामविचार नेताम ने आज नई दिल्ली में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से सौजन्य मुलाकात की। उन्होंने मंत्री गडकरी से इस दौरान बलरामपुर एवं रामानुजगंज शहरों के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक-343 पर बायपास मार्गों की स्वीकृति का आग्रह किया। नेताम ने दोनों शहरों में बढ़ते यातायात दबाव, दुर्घटनाओं की आशंका तथा अंतर्राज्यीय वाणिज्यिक गतिविधियों को देखते हुए 4-लेन बायपास निर्माण को अत्यंत आवश्यक बताया। केंद्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरी ने दोनों मांगों पर सकारात्मक सहमति व्यक्त करते हुए शीघ्र स्वीकृति की दिशा में कार्रवाई का आश्वासन दिया। उन्होंने मंत्री श्री नेताम की मांग पर शीघ्र डीपीआर तैयार करने अधिकारियों को निर्देशित किया।

मंत्री नेताम ने केंद्रीय मंत्री को अवगत कराया कि अम्बिकापुर-रामानुजगंज-गढ़वा राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक-343 छत्तीसगढ़ को झारखंड से जोड़ने वाला एक महत्वपूर्ण अंतर्राज्यीय मार्ग है। इस मार्ग से यात्री बसों, छोटे-बड़े व्यावसायिक वाहनों, भारी मालवाहकों तथा आम नागरिकों का बड़ी संख्या में आवागमन होता है। प्रशासनिक एवं विशिष्टजनों का आवागमन भी इसी मार्ग से होता है। मंत्री नेताम ने बताया कि बलरामपुर जिला मुख्यालय राष्ट्रीय राजमार्ग-343 के शहरी हिस्से में स्थित है। शहर के दोनों ओर घनी व्यावसायिक एवं आवासीय बसाहट होने के कारण छोटे वाहनों से लेकर भारी मालवाहकों तक का आवागमन शहर के भीतर से होता है। इससे आए दिन यातायात जाम की स्थिति निर्मित होने के साथ दुर्घटनाओं का खतरा भी बना रहता है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री से बलरामपुर शहरी क्षेत्र के लिए लगभग ''10 किलोमीटर लंबाई के 4-लेन बायपास'' को स्वीकृति प्रदान करने का आग्रह किया। प्रस्तावित बायपास बनने से शहर के भीतर भारी वाहनों का दबाव कम होगा, यातायात व्यवस्था बेहतर होगी और नागरिकों को सुरक्षित एवं सुगम आवागमन की सुविधा मिलेगी।

इसी प्रकार रामानुजगंज शहर के लिए लगभग ''8 किलोमीटर लंबाई के 4-लेन बायपास'' की मांग भी केंद्रीय मंत्री के समक्ष रखी। मंत्री श्री नेताम ने बताया कि रामानुजगंज अंतर्राज्यीय आवागमन का महत्वपूर्ण केंद्र है। शहर के भीतर ही स्कूली बच्चों, स्थानीय नागरिकों, शासकीय एवं निजी वाहनों के साथ-साथ भारी व्यावसायिक एवं मालवाहक वाहनों का आवागमन होने से यातायात दबाव लगातार बढ़ रहा है।

SHORT NEWS

मंत्री गजेंद्र यादव ने कहाः स्कूलों में 8वीं तक अंग्रेजी बोलना-लिखना जरूरी

रायपुर। स्कूलों में पहली से आठवीं कक्षा तक पास करने की बाध्यता के चलते बच्चों में पढ़ने-लिखने की दक्षता कम हो गई है। इस कारण छत्तीसगढ़ के स्कूलों में अब पहली से पांचवीं तक हिंदी लिखने और बोलने की अनिवार्यता लागू की जा रही है। वहीं, मिडिल स्कूलों में 6वीं से 8वीं तक अंग्रेजी लिखने और बोलने की अनिवार्यता होगी। इस प्रणाली को लागू करने के लिए पहले प्रदेशभर के शिक्षकों को अंग्रेजी की ट्रेनिंग दी जाएगी। इसके बाद ये शिक्षक बच्चों को अंग्रेजी सिखाएंगे। स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने मंगलवार शाम दैनिक भास्कर कार्यालय में चर्चा के दौरान स्कूल शिक्षा में किए जा रहे विभिन्न बदलावों को लेकर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि निर्धारित स्तर हासिल नहीं होने पर संबंधित स्कूल के शिक्षकों पर कार्रवाई होगी। इसके लिए पहले शिक्षकों को अंग्रेजी का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

आजादी के उत्सव में आत्मनिर्भरता की झलक

रायपुर। आजादी का अर्थ केवल बंधनों से मुक्ति नहीं, बल्कि अपने सपनों को पूरा करने और अपने पैरों पर खड़े होने की स्वतंत्रता भी है। यही भावना आज महिला स्व-सहायता समूहों के रूप में साकार हो रही है, जहां महिलाएं अपने हुनर और मेहनत को आत्मनिर्भरता का माध्यम बनाकर परिवार और समाज की प्रगति में योगदान दे रही हैं। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कलेक्ट्रेट परिसर कोरबा में लगा 'जय माता दी' स्व-सहायता समूह का स्टॉल इसी आत्मनिर्भरता और स्वावलंबन की प्रेरक तस्वीर प्रस्तुत कर रहा है। तिरंगे के रंगों और देशभक्ति की भावना से सजे इस स्टॉल में समूह की महिलाओं के हुनर, रचनात्मकता और मेहनत की झलक देखने को मिल रही है।

मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ की प्रथम महिला सांसद और समाजसेविका मिनीमाता की पुण्यतिथि पर किया नमन

समाज सुधार में मिनीमाता का योगदान अमरः मुख्यमंत्री साय

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने छत्तीसगढ़ की प्रथम महिला सांसद और समाजसेविका स्वर्गीय मिनीमाता की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया। उन्होंने मिनीमाता के सामाजिक योगदान को याद करते हुए कहा कि उन्होंने अपना पूरा जीवन मानव सेवा, सामाजिक जागरूकता और वंचित वर्गों के उत्थान के लिए समर्पित कर दिया। उनके विचार और सेवाभाव आज भी समाज को नई दिशा देने का कार्य करते हैं।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि मिनीमाता ने सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ मजबूती से आवाज उठाई। उन्होंने बाल विवाह और दहेज प्रथा जैसी सामाजिक बुराइयों का विरोध करते हुए समाज में जागरूकता लाने का निरंतर प्रयास किया। उनका मानना था कि किसी भी समाज की वास्तविक प्रगति तभी संभव है, जब महिलाओं को समान अधिकार, सम्मान और आगे बढ़ने के अवसर मिलें।

मिनीमाता ने सामाजिक सरोकारों को केवल जनजीवन तक सीमित नहीं रखा, बल्कि संसद में भी मजबूती से उठाया। उन्होंने समाज के कमजोर और जरूरतमंद वर्गों के अधिकारों तथा महिलाओं के सम्मान से जुड़े विषयों को प्रमुखता से सामने रखा। उनके सार्वजनिक जीवन का उद्देश्य समाज में समानता, शिक्षा, जागरूकता और सामाजिक न्याय की भावना को मजबूत करना रहा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मिनीमाता का जीवन सेवा, संघर्ष और समर्पण का प्रेरणादायी उदाहरण है। उन्होंने अपने कार्यों के माध्यम से यह संदेश दिया कि जनप्रतिनिधि का दायित्व केवल राजनीतिक गतिविधियों तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि समाज के जरूरतमंद लोगों की आवाज बनना भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा कि महिलाओं के सामाजिक और आर्थिक सशक्तीकरण के लिए मिनीमाता का योगदान विशेष रूप से उल्लेखनीय है। उस दौर में जब महिलाओं को अनेक सामाजिक बंधनों और रूढ़ियों का सामना करना पड़ता था, मिनीमाता ने आगे बढ़कर उनके अधिकारों और सम्मान की बात कही। उन्होंने शिक्षा और जागरूकता को सामाजिक बदलाव का महत्वपूर्ण माध्यम माना।

मुख्यमंत्री साय ने बताया कि समाज और महिलाओं के उत्थान के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान को सम्मानित करने के लिए राज्य सरकार द्वारा **मिनीमाता के नाम पर राज्य अलंकरण पुरस्कार** भी प्रदान किया जाता है। यह सम्मान उनके सामाजिक योगदान को स्मरण करने के साथ-साथ समाज सेवा के क्षेत्र में कार्य करने वाले लोगों को प्रोत्साहित करने का माध्यम है।

छत्तीसगढ़ को 'GeM सस्टेनेबल प्रोक्योरमेंट अवार्ड', शासकीय खरीदी दोगुनी होकर 3,935 करोड़ पहुंची

रायपुर। छत्तीसगढ़ को गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस के 10वें स्थापना दिवस समारोह में 'लद्दरू सस्टेनेबल प्रोक्योरमेंट अवार्ड' से सम्मानित किया गया है। नई दिल्ली में आयोजित समारोह में केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल की गरिमामयी उपस्थिति में यह सम्मान प्रदान किया गया। लद्दरू के एक दशक पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित समारोह की थीम 'GeM 10: A Decade of E&ponential PossibilitiesÓ रही।

राज्य सरकारों के लिए निर्धारित 'प्रीमियर अवार्ड्स - स्टेट गवर्नमेंट फेलिसिटेशन' श्रेणी के अंतर्गत छत्तीसगढ़ को यह पुरस्कार लद्दरूके प्रभावी उपयोग तथा इसके माध्यम से शासकीय खरीदी के मूल्य और मात्रा में उल्लेखनीय वृद्धि के लिए प्रदान किया गया है।

खुली प्रतिस्पर्धा से 130 करोड़ की बचत

GeM प्लेटफॉर्म पर पारदर्शी एवं प्रतिस्पर्धी निविदा प्रक्रिया के कारण वित्तीय वर्ष 2025-26 में छत्तीसगढ़ शासन को 130 करोड़ की बचत हुई है। यह बचत विभागों द्वारा खरीदी के लिए अनुमानित लागत और खुली प्रतिस्पर्धी बोली के बाद प्राप्त वास्तविक बाजार मूल्य के अंतर से हुई है। **GeM**की खुली बोली प्रक्रिया, मानकीकृत विनिर्देश और प्रत्येक लेन-देन का डिजिटल एवं ऑडिट योग्य रिकॉर्ड शासकीय खरीदी में पारदर्शिता और प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करता है।

कृषि, प्रकृति और लोकपरंपराओं से जुड़ा छत्तीसगढ़ का पहला तिहार हरेली हमारी सांस्कृतिक पहचान : मंत्री राजेश अग्रवाल

रायपुर। एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने छत्तीसगढ़ के प्रथम लोकपर्व हरेली तिहार के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कामना की है कि हरेली का यह पावन पर्व छत्तीसगढ़ के प्रत्येक घर-परिवार में सुख, समृद्धि, शांति और खुशहाली लेकर आए तथा प्रदेश में हरियाली और विकास की नई ऊर्जा का संचार करे।

संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने अपने शुभकामना संदेश में कहा कि हरेली तिहार छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोकसंस्कृति, कृषि परंपरा और प्रकृति के प्रति गहरे जुड़ाव का पर्व है। यह तिहार हमारे किसान जीवन की उस परंपरा को अभिव्यक्त करता है, जिसमें कृषि उपकरणों, पशुधन और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का भाव निहित है। हरेली केवल एक पर्व नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की मिट्टी, मेहनत और लोकजीवन से जुड़ी हमारी सांस्कृतिक पहचान का उत्सव है।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की लोकपरंपराओं में प्रकृति और कृषि का विशेष स्थान रहा है। किसान परिवार हरेली के अवसर पर अपने कृषि उपकरणों की पूजा करते हैं और अच्छी फसल, सुख-समृद्धि तथा स्वस्थ जीवन की कामना करते हैं।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने बहुउद्देशीय मिनी स्टेडियम और इनडोर हॉल का किया लोकार्पण

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा कांकेर जिले के प्रभारी मंत्री श्री अरुण साव ने आज कांकेर में तिरंगा यात्रा के समापन अवसर पर मेलाभाठा के समीप नवनिर्मित मिनी स्टेडियम एवं बहुउद्देशीय इनडोर हॉल का लोकार्पण किया। उन्होंने फुटबॉल को किक कर गोल दागकर खेल मैदान का शुभारंभ किया। श्री साव ने कार्यक्रम में मौजूद विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि तिरंगा यात्रा देश की स्वाधीनता, आत्मनिर्भरता और महान क्रांतिकारियों के अमर बलिदानों का पर्याय है। उनके सपनों को संजोकर व सहेजकर रखने की जिम्मेदारी आप सभी के कंधों पर है।उप मुख्यमंत्री साव ने नवनिर्मित मिनी स्टेडियम एवं बहुउद्देशीय इनडोर हॉल परिसर में आयोजित लोकार्पण कार्यक्रम में कहा कि जिन महान देशभक्तों ने अपने प्राणों की आहुति देकर देश को वर्षों की गुलामी से आजादी दिलाई, उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। क्रांतिवीरों के बलिदान से मिली आजादी के बाद देश को आत्मनिर्भर, विश्व गुरू और सोने की चिड़िया बनाने में निश्चित तौर पर विद्यार्थियों की बड़ी भूमिका रहेगी। उन्होंने कहा कि इस मल्टीपरपज मिनी स्टेडियम के निर्माण से स्थानीय खेल प्रतिभाओं को व्यापक सुविधाएं मुहैया होंगी, साथ ही युवक-युवतियों को एक बेहतर प्लेटफॉर्म भी मिलेगा।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने की समीक्षा बैठक, 109 शहीद स्मारक बनेंगे

रायपुर। नक्सल हिंसा से प्रभावित परिवारों और पुनर्वासितों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए अब लंबित मामलों के निपटारे पर विशेष जोर दिया जाएगा। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने महानदी भवन में हुई समीक्षा बैठक में अधिकारियों को ऐसे सभी मामलों की पहचान कर विशेष अभियान चलाने के आदेश दिए।

साथ ही 109 शहीद स्मारक बनाने की प्रक्रिया तेज करने को कहा।

बैठक में बताया गया कि नक्सल हिंसा में शहीद हुए जवानों के परिवारों को शत-प्रतिशत अनुकंपा नियुक्ति दी जा चुकी है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि नक्सल प्रभावित परिवारों, पुनर्वासित लोगों और सहायता से जुड़े मामलों की वास्तविक स्थिति की निगरानी के लिए एसआईबी डैशबोर्ड को नियमित अपडेट किया जाना चाहिए। इसी तरह इलवद पंचायत योजना में चयनित 50 गांवों में विकास कार्यों की स्थिति की भी समीक्षा हुई।

उप मुख्यमंत्री ने सभी गांवों में विकास कार्यों को स्वीकृति देकर जल्द शुरू कराने के निर्देश दिए। शहीदों के सम्मान में स्कूल, चौक-चौराहों और शासकीय भवनों के नामकरण की प्रक्रिया भी तेज करने को कहा गया। बैठक में ऐसे मामलों की भी समीक्षा हुई, जिनमें नक्सल हिंसा में प्रभावित परिवारों को अब तक शासन की सहायता नहीं मिल पाई है।

बस्तर में तिरंगा यात्रा आज से, 31 नक्सली घटना स्थलों से गुजरेगी

बस्तर में 12 से 14 अगस्त तक तीन दिवसीय तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी। 31 ऐसे स्थानों से यात्रा गुजरेगी जहां माओवादियों ने बड़ी घटनाओं को अंजाम दिया था। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसकी जानकारी दी। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि नक्सलवाद के खिलाफ चलाई गई मुहिम के सुखद परिणाम सामने आए हैं। स्वतंत्रता दिवस पर बस्तर के कोने-कोने तक तिरंगा आन, बान और शान से लहराएगा।

उन्होंने बताया कि यह यात्रा 12 अगस्त को नारायणपुर से शुरू होकर 150 किमी दूर दंतेवाड़ा पहुंचेगी। 13 अगस्त को सुबह दंतेवाड़ा से स्थानीय नागरिकों और जवानों के साथ बीजापुर के लिए प्रस्थान करेगी। 14 अगस्त को सुबह बीजापुर से प्रस्थान कर आवापल्ली, उसुर, कलगम, ताड़पाला होते हुए कारिकुत्तलु पहाड़ी के नीचे यात्रा का समापन होगा। इसी तरह बस्तर के 92 गांवों में पहली बार स्वतंत्रता दिवस पर तिरंगा फहरेगा।

क्यूआर कोड स्कैन करते ही मिलेगी जानकारी राज्य निर्माण से अब तक माओवादी हिंसा में शहीद हुए जवानों व दिवंगत नागरिकों की स्मृति में घटना स्थल अथवा संबंधित गांवों में बनाए जाने वाले 109 शहीद स्मारकों की समीक्षा की गई। इन स्मारकों पर क्यूआर कोड लगेंगे। इसे स्कैन करने पर संबंधित शहीद, घटना और उनके योगदान की विस्तृत जानकारी उपलब्ध होगी।

इलवद पंचायत योजना क्या है?

राज्य की नई नक्सल आत्मसमर्पण व पुनर्वास नीति का उद्देश्य नक्सल प्रभावित इलाकों में सामूहिक आत्मसमर्पण को बढ़ावा देकर गांवों को माओवाद-मुक्त बनाना है। जो ग्राम पंचायत अपने क्षेत्र के सभी नक्सलियों का आत्मसमर्पण कराकर खुद को माओवाद-मुक्त घोषित करती है, वहां 1 करोड़ की विकास परियोजनाएं स्वीकृत होती हैं। इससे वहां सड़क, बिजली, मोबाइल टावर, पानी और स्कूल जैसी बुनियादी सुविधाएं पहुंचती हैं। सुकमा का बड़ेसट्टी इस योजना के तहत राज्य का पहला नक्सल-मुक्त गांव बना।

संभाग आयुक्त एसएन राठौर ने आज अधिकारियों एवं किसानों की बैठक लेकर दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

मोहड़ बांध परियोजना अंतर्गत पूर्ण डुबान ग्राम कुदारी दल्ली के किसानों को शीघ्र मिलेगा मुआवजा राशि

बालोद, । मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले के मोहड़ बांध परियोजना के अंतर्गत बालोद जिले के पूर्ण डुबान ग्राम कुदारी दल्ली के मुआवजा प्राप्त करने हेतु शेष रह गए किसानों को शीघ्र मुआवजा राशि प्रदान किया जाएगा। संभाग आयुक्त एसएन राठौर ने आज संयुक्त जिला कार्यालय बालोद के सभाकक्ष में संबंधित विभाग के अधिकारियों एवं प्रभावित किसानों की बैठक लेकर अधिकारियों को निर्धारित प्रावधान के अनुसार शीघ्र मुआवजा राशि प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। बैठक में संभाग आयुक्त राठौर ने अनुविभागीय अधिकारी राजस्व डौण्डीलोहारा शिवनाथ बघेल को ग्राम कुदारी दल्ली में वन पट्टा के अंतर्गत आने वाले 12 मकानों की मुआवजा राशि संबंधित किसानों को एक सप्ताह के भीतर अनिवार्य रूप से प्रदान करने के भी निर्देश दिए हैं। बैठक में कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा, अपर कलेक्टर चंद्रकांत कौशिक एवं नूतन कंवर, एसडीएम मोहला हेमेन्द्र भुआर्य, एसडीएम डौण्डीलोहारा शिवनाथ बघेल सहित बालोद एवं मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चैकी जिले के जल संसाधन विभाग के कार्यपालन अभियंताओं के अलावा अन्य अधिकारियों एवं प्रभावित कृषकगण उपस्थित थे।

बैठक में संभाग आयुक्त राठौर ने बैठक के निर्धारित एजेण्डा के अनुसार ग्राम कुदारी दल्ली में संबंधित किसानों के अतिक्रमण के अंतर्गत आने वाले 05 मकानों की मुआवजा राशि तथा आबादी क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले पेड़-पौधों की मुआवजा राशि दिलाने हेतु की जा रही कार्यवाही की समीक्षा करते हुए 10 सितंबर तक संबंधित कृषकों को अनिवार्य रूप से मुआवजा राशि प्रदान करने के भी निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने ग्राम कुदारी दल्ली में आबादी क्षेत्र एवं पुनर्वास अधिनियम के अंतर्गत आने वाले पेड़-पौधों की मुआवजा राशि भी संबंधित किसानों को शीघ्र दिलाने हेतु की जा रही कार्यवाही के संबंध में भी जानकारी ली। संभाग आयुक्त ने एसडीएम मोहला एवं जल संसाधन विभाग बालोद के कार्यपालन अभियंता से प्रभावित किसानों के समुचित पुनर्वास सुनिश्चित करने हेतु की जा रही कार्यवाही के संबंध में भी जानकारी ली। एसडीएम मोहला हेमेन्द्र भुआर्य ने मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चैकी जिले के अंबागढ़ चैकी विकासखण्ड के ग्राम आतरगांव में प्रभावित किसानों के पुनर्वास हेतु जगह चयन करने के कार्यवाही के संबंध में जानकारी दी। श्री राठौर ने अधिकारियों को प्रभावित किसानों के समुचित पुनर्वास हेतु शीघ्र कार्यवाही सुनिश्चित करने को कहा। बैठक में उन्होंने ग्राम कुदारी दल्ली में अधिग्रहण हेतु प्रक्रियाधीन लगभग 17 एकड़ जमीन के पेड़-पौधें, जमीन तथा मकान की मुआवजा राशि संबंधित किसानों को शीघ्र प्रदान करने के संबंध में की जा रही कार्यवाही के संबंध में जानकारी ली।

कचहरी चौक का राजा इस बार तिरुपति बालाजी मंदिर के स्वरूप में सजेगा गणेश पंडाल

जांजगीर-चांपा । जिला मुख्यालय जांजगीर शहर के हृदयस्थल कचहरी चौक में हर वर्ष गणेशोत्सव के दौरान भव्यता और आस्था का जो संगम देखने को मिलता है, इस बार उसका स्वरूप और भी विराट होने जा रहा है। 'कचहरी चौक का राजा' इस बार श्रद्धालुओं को दक्षिण भारत की प्रसिद्ध मंदिर स्थापत्य कला की झलक दिखाते हुए ऐतिहासिक तिरुपति बालाजी मंदिर के स्वरूप में विराजमान होगा। जाज्वल्यदेव गणेश सेवा समिति, जांजगीर द्वारा इस वर्ष गणेश उत्सव के लिए जारी किए गए प्रस्तावित स्वरूप में भव्य गोपुरम, दक्षिण भारतीय स्थापत्य शैली, आकर्षक प्रकाश व्यवस्था और बारीक शिल्पकारी को प्रमुखता दी गई है। पोस्टर में इसे 'भव्यता... भक्ति... और आस्था का संगम' बताया गया है। पिछले वर्षों में

भी समिति ने अलग-अलग थीम के माध्यम से श्रद्धालुओं को आकर्षित किया है। 2024 में कचहरी चौक पर करीब 20 फीट ऊंची गणेश प्रतिमा और विशेष थीम वाला पंडाल बनाया गया था। वहीं 2025 में 'मयूर महल' थीम के साथ बाल स्वरूप में भगवान गणेश की 20 फीट ऊंची प्रतिमा स्थापित की गई थी। यानी इस उत्सव की खासियत केवल गणेश प्रतिमा नहीं, बल्कि हर वर्ष श्रद्धालुओं के सामने एक नया स्थापत्य अनुभव पेश करना भी है। कचहरी चौक के प्रस्तावित पंडाल में इसी धार्मिक एवं स्थापत्य प्रभाव को स्थानीय स्तर पर प्रस्तुत करने की कोशिश दिखाई दे रही है।समिति द्वारा जारी पोस्टर के अनुसार पंडाल की प्रमुख विशेषताओं में भव्य गोपुरम, दक्षिण भारतीय स्थापत्य शैली, अद्भुत शिल्पकारी, आकर्षक सजावट और प्रकाश व्यवस्था व श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण शामिल होंगे। ऐसे में इस बार कचहरी चौक पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को गणेश दर्शन के साथ-साथ तिरुपति मंदिर की स्थापत्य शैली की झलक देखने को मिल सकती है। त्योहार में अभी समय होने के बावजूद बड़े गणेश पंडालों को लेकर तैयारियां और चर्चाएं शुरू हो चुकी हैं।

संबंधित विद्यालयों में आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 17 अगस्त

बालोद। बालोद जिले के प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष खनन प्रभावित क्षेत्रों में चिन्हांकित शासकीय प्राथमिक, पूर्व माध्यमिक, हाई एवं हायर सेकण्डरी विद्यालयों में संगवारी गुरूजी की नियुक्ति की जाएगी। जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि इन चिन्हांकित विद्यालयों में अध्यापन कार्य को सुचारू रूप से संचालित करने तथा विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन एवं शिक्षा विभाग द्वारा 'संगवारी गुरूजी' के रूप में शिक्षकीय व्यवस्था किए जाने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने बताया कि संगवारी गुरूजी के रूप में कार्य करने हेतु निर्धारित अर्हता रखने वाले इच्छुक अभ्यर्थी अपना आवेदन पत्र एवं आवश्यक दस्तावेजों सहित 17 अगस्त 2026 को शाम 04 बजे तक संबंधित विद्यालय में जमा कर सकते हैं। निर्धारित तिथि एवं समय के पश्चात प्राप्त आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस संबंध में विस्तृत जानकारी, निर्धारित अर्हता, नियम एवं शर्तों के अवलोकन हेतु जिले की आधिकारिक वेबसाइट **https://www.balod.gov.in** पर अवलोकन किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री के उद्घाटन के एक साल बाद भी नहीं खुला छुईखदान का ब्लड बैंक

छुईखदान। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के हाथों प्रस्ताव और उद्घाटन के करीब एक साल बाद भी छुईखदान में ब्लड बैंक की सुविधा शुरू नहीं हो पाई है। करीब 30 लाख रुपये की लागत से तैयार ब्लड बैंक का भवन लंबे समय से बनकर तैयार है, लेकिन अब तक इसका संचालन शुरू नहीं होने से क्षेत्र के मरीजों और उनके परिजनों को खून के लिए दूसरे शहरों का रुख करना पड़ रहा है। देखरेख के अभाव में भवन और परिसर की स्थिति भी धीरे-धीरे खराब होने लगी है। दरअसल, 13 अगस्त 2025 को मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के जिला मुख्यालय खैरागढ़ आगमन के दौरान छुईखदान में ब्लड बैंक की लंबे समय से चली आ रही मांग को लेकर पहल की गई थी। प्रस्ताव को मंजूरी मिलने के बाद ब्लड बैंक भवन का उद्घाटन किया गया। क्षेत्रवासियों को

उम्मीद थी कि अब खून के लिए राजनांदगांव, दुर्ग, भिलाई और रायपुर जैसे शहरों की दौड़ नहीं लगानी पड़ेगी। लेकिन उद्घाटन के लगभग एक वर्ष बाद भी ब्लड बैंक शुरू नहीं हो सका है। लाइसेंस और महंगी मशीनरी बनी वजह जांच-पड़ताल के दौरान स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के अनुसार ब्लड बैंक शुरू करने के लिए आवश्यक लाइसेंस की प्रक्रिया तथा कुछ महंगी मशीनरी एवं उपकरणों की व्यवस्था पूरी नहीं हो पाने के कारण संचालन में देरी हो रही है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि जब लाइसेंस और आवश्यक उपकरणों की प्रक्रिया पूरी होना बाकी था तो फिर ब्लड बैंक भवन का उद्घाटन इतनी जल्दबाजी में क्यों किया गया लोगों का कहना है कि यदि आवश्यक प्रक्रियाएं और संसाधन पहले से सुनिश्चित कर लिए जाते तो उद्घाटन के बाद एक साल तक मरीजों को इस सुविधा का इंतजार नहीं करना पड़ता।

बम्हनीडीह के अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिर्रा का पूरा मामला

जांजगीर-चांपा । विकासखंड बम्हनीडीह के अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिर्रा में सालाना लगभग 80 हजार रुपए शाला अनुदान राशि के रूप में विद्यालय भवन की मरम्मत और रंग रोगन, लिपाई पोताई के लिए छत्तीसगढ़ शासन द्वारा सीधे प्राचार्य एफएल साहू के बैंक खाते में दिया जाता है। लेकिन जब पिछले 10 सालों तक विद्यालय भवन में आवश्यक मरम्मत और रंग रोगन नहीं करने से विद्यालय भवन काफी जीर्ण शीर्ण हो गया है। तब इस संबंध में हमने 7 अगस्त दिन शुक्रवार के अंक में सालाना अनुदान राशि मिलने के बाद भी मरम्मत और रंग रोगन को तरस रहा विद्यालय हेडिंग देकर समाचार प्रकाशित किए थे। अब खबर प्रकाशन के बाद जागे लोगों ने हिम्मत जुटाई

और इसके बाद स्कूल पहुंचकर शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिर्रा के प्राचार्य एफएल साहू को कोसते हुए हो हंगामा किया गया है। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिर्रा में 7 अगस्त दिन शुक्रवार को लगभग 12ः00 बजे पहुंचे ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों के द्वारा विद्यालय भवन और परिसर का मुआयना किया गया। विद्यालय पहुंचे ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने पाया कि विद्यालय भवन में पिछले कई सालों से मरम्मत नहीं किया गया है। विद्यालय परिसर में बरसाती पानी का जमाव हो रहा है। विद्यालय भवन के अहाता बाउंड्री वॉल को भी पिछले कई सालों से रंग रोगन, लिपाई पोताई आज तक नहीं किया गया है। टूटे-फूटे कुर्सी टेबल इधर-उधर लावारिस की तरह बिखरे पड़े हुए हैं। टूटे-फूटे कुर्सी टेबल खुले आसमान के नीचे रखा गया है। टूटे-फूटे कुर्सी टेबल को बरसाती पानी के पड़ने से और अधिक ज्यादा खराब हो रहे हैं।

उफनते बरघाट नाले में फंसे युवक को बचाने वाले पुलिस जवान और ग्रामीण सम्मानित

बलौदाबाजार । बरसात के दौरान उफनते बरघाट नाले में फंसे युवक की जान बचाने के लिए आधी रात जान जोखिम में डालकर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाने वाले पुलिस जवानों और ग्रामीणों को पुलिस अधीक्षक गौरव राय ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। जिला पुलिस कार्यालय में आयोजित सम्मान समारोह में कसडोल पुलिस, डायल-112 टीम और ग्राम असनींद के आठ साहसी ग्रामीणों के अदम्य साहस की सराहना की गई। घटना 8 अगस्त की रात बलार रोड स्थित बरघाट नाले की है। भारी बारिश के कारण नाले का जलस्तर काफी बढ़ गया था और तेज बहाव के बीच एक युवक नाला पार करने के प्रयास में बह गया। कुछ दूर जाकर वह नाले के बीच स्थित एक पेड़ के सहारे फंस गया। सूचना मिलते ही कसडोल पुलिस, डायल-112 टीम और स्थानीय ग्रामीण मौके पर पहुंचे। अंधेरी रात और तेज बहाव के बावजूद टीम ने योजनाबद्ध तरीके से रस्सी के सहारे रेस्क्यू अभियान चलाकर युवक को सकुशल बाहर निकाल लिया। इस साहसिक कार्य के लिए पुलिस अधीक्षक

गौरव राय ने कसडोल पुलिस एवं डायल-112 टीम के उमेश कुमार टंडन, प्रधान आरक्षक संतकुमार बिंझवार, आरक्षक अजय बंजारे, रवि प्रकाश कंवर, विशंभर लहरें, डायल-112 के आरक्षक राजकुमार प्रजापति एवं चालक केशव प्रसाद साहू को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। वहीं ग्राम असनींद के बिकेंद्र ध्रुव, हेमंत ध्रुव, गौतम ध्रुव, सरोज कुमार ध्रुव, गणेश राम ध्रुव, भागीरथी कोसले, फागु पटेल एवं संजय ध्रुव को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उप पुलिस अधीक्षक (यातायात) संजय साहू सहित पुलिस अधीक्षक कार्यालय का स्टाफ मौजूद रहा। एसपी गौरव राय ने कहा कि विषम परिस्थितियों में समय पर लिया गया सही निर्णय और पुलिस-जनता का सहयोग अनमोल जिंदगी बचाने में महत्वपूर्ण साबित हुआ। उन्होंने ग्रामीणों के साहस और नागरिक कर्तव्य की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायी बताया। साथ ही बारिश के मौसम में नागरिकों से उफनते नदी-नालों और रपटों को पार करने का जोखिम नहीं उठाने तथा सुरक्षा नियमों का पालन करने की अपील की।

सावन में पौधारोपण कर नीर तरंग महिला मंडल ने दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

बलौदाबाजार । सावन माह के पावन अवसर पर अल्ट्राटेक रावन की नीर तरंग महिला मंडल द्वारा ग्रासिम विहार कॉलोनी परिसर में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधारोपण एवं पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य कॉलोनीवासियों को हरियाली, स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना रहा।

महिला मंडल अध्यक्ष नीतू सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में महिला मंडल की सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए विभिन्न पौधों का रोपण किया। इस दौरान सुतापा साहा, अनीता जेना, कविता गुप्ता, कमलेश परिहार, स्मृति धुरंधर, संपदा जोशी, दीपा प्रसाद, राखी जैन एवं विभा प्रसाद सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम में पर्यावरण विभाग से संजय यादव एवं सुनील त्रिपाठी तथा बागवानी टीम से अदिति साहू और अमरनाथ यदु ने भी सहभागिता करते हुए पौधारोपण एवं हरित क्षेत्र के विकास में सहयोग किया। इस

अवसर पर लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल और संरक्षण का संकल्प लिया गया। महिला मंडल की सदस्यों ने कहा कि पर्यावरण संतुलन, स्वच्छ वायु और जैव विविधता के संरक्षण के लिए पौधारोपण के साथ-साथ पौधों की नियमित देखभाल भी जरूरी है। उन्होंने कॉलोनीवासियों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी जिम्मेदारीपूर्वक देखभाल करने का आह्वान किया। कार्यक्रम से कॉलोनी परिसर में हरियाली बढ़ाने के साथ पर्यावरण के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी और सहभागिता की भावना को भी बढ़ावा मिला। कॉलोनीवासियों ने महिला मंडल की इस पहल की सराहना की। कार्यक्रम के समापन पर महिला मंडल अध्यक्ष नीतू सिंह ने एक पौधाङ्क्एक जिम्मेदारी, हरियाली से खुशहाली का संदेश देते हुए पर्यावरण संरक्षण के लिए निरंतर प्रयास करने की अपील की। महिला मंडल ने भविष्य में भी सामाजिक सरोकार एवं पर्यावरण संरक्षण से जुड़े कार्यक्रम आयोजित करने की प्रतिबद्धता जताई।

राजपूत क्षत्रिय महासभा छ.ग. रहटादह पं क्र. 1282 राजनांदगांव जोन की बैठक सम्पन्न

राजनांदगांव । राजनांदगांव जोन की बैठक महाराणा प्रताप मंगल भवन चिखली राजनांदगांव में सम्पन्न हुई बैठक की अध्यक्षता कर रहे हैं महासभा के कोषाध्यक्ष जोन प्रभारी नीरज सिंह क्षत्रिय बैठक की शुरुआत सर्वप्रथम महाराणा प्रताप जी की मूर्ति एवं प्रभु श्री राम जी के तैल चित्रों पर पूजा अर्चना कर जय घोष के साथ शुरू किया गया महासभा कोषाध्यक्ष जोन प्रभारी नीरज क्षत्रिय एवं डॉ जितेंद्र सिहं प्रचार सचिव जोन प्रभारी तथा कें.महिला सचिव महासभा मधुबाला सिहं का स्वागत सम्मान किया गया तथा जोन के विभिन्न उपसमिति से आऐ पदाधिकारी का भी स्वागत उप समिति राजनांदगांव के द्वारा किया गया नीरज क्षत्रिय ने अपने उद्बोधन में कहा उप समिति राजनाँदगांव हमेशा ही नए कार्यक्रम के लिए जाना जाता है तथा आगामी हमें निर्धन सहायता कोष, कैरियर गाइडेंस समाज में बढ़ते उम्र विवाह संबंधी ,नशा, आर्थिक मेला , महिलाओं में स्वरोजगार कि दिशा में हमें आगे बढ़ना चाहिए समाज में नए वातावरण से हमें काम करने की जरूरत है। सभी ऐजेडा में विस्तार से चर्चा किया गया 62वाँ महा अधिवेशन के आय व्यय, कैरियर गाइडेंस, योग शिविर क्यूज प्रतियोगिता जैसे सभी पर चर्चा हुई बैठक में महासभा के कोषाध्यक्ष जोन प्रभारी नीरज क्षत्रिय, महासभा के प्रचार सचिव जोन प्रभारी डॉ जितेन्द्र सिहं, महासभा महिला सचिव मधुबाला सिहं,महासभा मिडिया प्रमुख आदर्श सिहं ठाकुर, 62वाँ महाअधिवेशन संयोजक पवन सिहं, सह संयोजक राखी सिहं,उपसमिति अध्यक्ष भूपेंद्र सिहं क्षत्रिय,सचिव रघुनंदन सिहं ठाकुर,कोषाध्यक्ष देवेन्द्र सिहं बैस, के.कार्यकारणी सदस्य केदार सिहं,डोगरगाँव चंद्रपाल सिहं विनोद।

परिवार परामर्श की पहल से राजीनामा करने वाले पक्षकार अब नशाग्रस्त परिवारों को दे रहे समझाइश

जांजगीर-चांपा । पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय निर्देशन में परिवार परामर्श केंद्र जांजगीर में कार्यरत परामर्शदात्रियों द्वारा परिवारिक विवादों को संवाद, समझाइश एवं काउंसलिंग के माध्यम से सुलझाने की दिशा में परिवार परामर्श केंद्र जांजगीर लगातार प्रभावी भूमिका निभा रहा है। दिनांक 1 जुलाई से 10 अगस्त 2026 तक कुल 312 प्रकरणों की सुनवाई की गई। इनमें 37 प्रकरणों में राजीनामा कराकर परिवारों को पुन: साथ रहने के लिए तैयार किया गया। वहीं 52 प्रकरणों में पक्षकारों को माननीय न्यायालय की शरण लेने की सलाह दी गई, 11 प्रकरणों में कानूनी कार्रवाई किया गया।

सोमवार 10 अगस्त 2026 को परिवार परामर्श केंद्र जांजगीर में 13 प्रकरणों की काउंसलिंग की गई। डीएसपी

अजाक श्रीमती सतरूपा तारम की उपस्थिति में काउंसलिंग कमिटी द्वारा पक्षकारों की समस्याओं को सुनकर आपसी संवाद एवं समझाइश के माध्यम से समाधान का प्रयास किया गया। इस दौरान तीन परिवारों में राजीनामा हुआ और पक्षकार साथ रहने के लिए तैयार हुए। काउंसलिंग कमिटी के सदस्यों द्वारा अनोखी पहल करते हुए राजीनामा करने वाले पक्षकारों को नशाखोरी से पीड़ित एक परिवार की काउंसलिंग करने का अवसर दिया गया। उन्होंने काउंसलिंग से प्राप्त अपने अनुभवों के आधार पर संबंधित परिवार को नशे के दुष्परिणामों एवं उससे परिवार में उत्पन्न होने वाले विवादों के संबंध में समझाइश दी। परिवार परामर्श केंद्र की यह पहल परिवारों को जोड़ने के साथ- साथ काउंसलिंग से जुड़े पक्षकारों को समाज में सकारात्मक बदलाव का सहभागी बनाने की दिशा में सराहनीय कदम है। सराहनीय योगदान जिले में गठित परामर्श दात्रीरियों एवं महिला थाना प्रभारी सिलमानी टोप्पो,एएसआई ज्ञान प्रकाश खाखा, महिला प्रधान आरक्षक निशा पाण्डेय, एनुका तिर्की का सराहनीय योगदान रहा।

विश्व आदिवासी दिवस पर कांग्रेस की प्रेसवार्ता, भाजपा का आदिवासी समाज एवं संस्कृति के प्रति विरोधी रवैया

पत्थलगांव। -विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर कांग्रेस कमेटी की ओर से पत्थलगांव में किये गये प्रेसवार्ता में जिला संगठन प्रभारी भानु प्रताप सिंह ने भाजपा पर आदिवासी समाज और उसकी संस्कृति के प्रति विरोधी रवैया अपनाने का आरोप लगाया गया है। उन्होंने कहा कि 9 अगस्त को पूरी दुनिया में आदिवासी समाज ने विश्व आदिवासी दिवस मनाया, लेकिन भाजपा के किसी नेता, आदिवासी नेता, राष्ट्रपति अथवा मुख्यमंत्री की ओर से आदिवासी समाज को बधाई संदेश तक नहीं दिया गया। भानु प्रताप सिंह ने आरोप लगाया गया कि 2023 से पहले भाजपा नेता विश्व आदिवासी दिवस की बधाई देते थे, लेकिन अब भाजपा आरएसएस के प्रभाव में आदिवासियों की संस्कृति और अस्मिता को कमजोर करना चाहती है। कांग्रेस का दावा है कि भाजपा आदिवासियों को वनवासी बनाए रखने की सोच पर काम कर रही है और इसी वजह से विश्व आदिवासी दिवस का विरोध किया जाता है।

251 फीट लंबे तिरंगे के साथ पटना में निकली ऐतिहासिक तिरंगा यात्रा

कोरिया। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर नगर पंचायत पटना में देशभक्ति का अभूतपूर्व नजारा देखने को मिला। नगर में 251 फीट लंबे विशाल तिरंगे के साथ भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। तिरंगे को थामे 1000 से अधिक नागरिक, बच्चे, जनप्रतिनिधि, व्यापारी, शिक्षक और विभिन्न वर्गों के लोग नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरे। इस दौरान पूरा नगर भारत माता के जयकारों और देशभक्ति के गीतों से गूंज उठा।

यात्रा में विधायक भईयालाल राजवाड़े, नगर पंचायत अध्यक्ष गायत्री सिंह, उपाध्यक्ष गौरव अग्रवाल, नेता प्रतिपक्ष वसीम खान, सहित देवेंद्र तिवारी, कृष्ण विहारी जायसवाल, रविशंकर शर्मा, जवाहर लाल गुप्ता, रेखा वर्मा, परमिला सिंह सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक शामिल हुए।

नगर पंचायत के मुख्य नगर पालिका अधिकारी प्रवीण उपाध्याय सहित अधिकारी-कर्मचारी, स्थानीय शिक्षक, पुलिस प्रशासन, व्यापारी संघ और स्कूली बच्चों ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई।

जगह-जगह हुआ तिरंगा यात्रा का स्वागत

251 फीट लंबे तिरंगे को लेकर निकली यात्रा जब नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरी तो जगह-जगह लोगों ने पुष्प वर्षा कर इसका स्वागत किया। बच्चे और युवा हाथों में तिरंगा लेकर देशभक्ति के नारों के साथ यात्रा में शामिल हुए।

नगर पंचायत पटना की इस भव्य तिरंगा यात्रा ने स्वतंत्रता दिवस के उत्सव को और खास बना दिया। विशाल तिरंगे के साथ निकली यह यात्रा नगरवासियों के लिए देशभक्ति, एकता और राष्ट्रीय गौरव का यादगार अवसर बन गई।

कलेक्टर ने जनदर्शन में सुनी आमजनों की समस्याएं

कोण्डागांव । कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना ने मंगलवार को जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे आम नागरिकों की समस्याएं एवं मांगें सुनीं। उन्होंने प्राप्त सभी आवेदनों का गंभीरतापूर्वक अवलोकन करते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जनदर्शन में ग्राम मोहपाल निवासी सियाबती नेताम ने राशन कार्ड से राशन न मिलने पर आवेदन किया, ग्राम भुरकाभाटा निवासी ग्रामीणों ने मक्का विक्रय के राशि प्राप्ति हेतु आवेदन किया, ग्राम आंवराभाटा निवासी पुनीत राम नेताम ने आवरांभाटा से छोटे तरईबेड़ा मार्ग में पुल निर्माण की मांग की, ग्राम मालाकोट निवासी परसू राम बघेल ने माध्यमिक शाला एवं हायर सेकण्ड्री के लिए शिक्षक की मांग की। इसी तरह विभिन्न जनसमस्याओं एवं मांगों से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए, जिनके त्वरित निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए।

जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न

कोंडागांव। कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना की अध्यक्षता में मंगलवार को जिला कार्यालय के सभाकक्ष में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु प्रभावी कार्यवाही व्यवस्था और उपाय पर चर्चा की गई। कलेक्टर ने ओवर स्पीड और ओवर टेकिंग करने वाले वाहनों पर सख्ती बरतने और यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही घुमन्तु पशुओं को सड़क से हटाने के लिए मुख्य नगर पालिका अधिकारी को नियमित निगरानी एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देशित किया।

कलेक्टर ने राष्ट्रीय राजमार्ग के अधिकारियों को दुर्घटना जन्य स्थलों के सुधार कार्य की समीक्षा की। इसके साथ ही नेशनल हाईवे और मुख्य मार्गों में सड़क सुरक्षा को सुदृढ़ करने हेतु कैट आई, रिफ्लेक्टर, रोड मार्किंग और आवश्यक यातायात संकेतक बोर्ड लगाने के निर्देश दिए गए। साथ ही पर्याप्त प्रकाश की व्यवस्था के निर्देश भी दिए गए। कलेक्टर ने बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने वालों के विरुद्ध सख्ती से कार्रवाई करने के निर्देश देते हुए सड़क दुर्घटनाओं में घायलों को त्वरित सहायता उपलब्ध कराने वाले व्यक्तियों को 'राहवीर योजना' के तहत मदद के लिए प्रोत्साहित एवं लाभान्वित करने पर बल दिया।

बैठक में जिला पंचायत सीईओ अविनाश भोई, अपर कलेक्टर चित्रकांत चाली ठाकुर, जिला परिवहन अधिकारी रामकुमार ध्रुव सहित यातायात, पुलिस, राष्ट्रीय राजमार्ग सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

अधिकारों की समझ से आत्मविश्वास की उड़ान, कोटपाड़ में विद्यार्थियों को कानून की जानकारी

कोण्डागांव । बच्चों को केवल किताबी ज्ञान ही नहीं, बल्कि अपने अधिकारों और कानून की जानकारी होना भी जरूरी है। इसी उद्देश्य से 10 अगस्त 2026 को शासकीय हाई स्कूल कोटपाड़ में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोण्डागांव खिलावन राम रिगरी के मार्गदर्शन तथा सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोण्डागांव गायत्री साय के निर्देशन में आयोजित इस शिविर में अधिकार मित्र रूकेश कुमार एवं पुलिस विभाग द्वारा विद्यार्थियों को विभिन्न कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी गई।

शिविर में विद्यार्थियों को बाल अधिकारों के साथ-साथ बाल विवाह, बाल श्रम, बाल अपराध, शिक्षा के अधिकार, गुड टच-बैड टच एवं बच्चों के संरक्षण से जुड़े कानूनों के बारे में सरल एवं सहज तरीके से समझाया गया। विद्यार्थियों को बताया गया कि किसी भी प्रकार के शोषण, हिंसा या अपराध को चुपचाप सहने के बजाय उसके विरुद्ध आवाज उठाना उनके अधिकारों का हिस्सा है।

वर्तमान समय में बढ़ते साइबर अपराधों को देखते हुए पुलिस विभाग द्वारा विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा और सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग के प्रति भी जागरूक किया गया। अनजान लिंक पर क्लिक न करने, अपनी निजी जानकारी एवं पासवर्ड किसी से साझा न करने तथा ऑनलाइन ठगी अथवा साइबर अपराध की स्थिति में तत्काल संबंधित व्यक्ति अथवा पुलिस को सूचना देने की समझाइश दी गई।

हुनर को रोजगार बना आत्मनिर्भर बन रहीं बिहान की महिलाएं

जांजगीर-चांपा। रक्षाबंधन का पर्व भाई-बहन के पवित्र रिश्ते और स्नेह का प्रतीक है। इस रिश्ते को मजबूत करने वाली राखियां अब जिले की स्व सहायता समूह की महिलाओं के हुनर और मेहनत की पहचान भी बन रही हैं। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) बिहान से जुड़ी महिलाएं स्थानीय सामग्री और अपनी रचनात्मकता का उपयोग कर आकर्षक राखियां तैयार कर रही हैं। लौदा विकासखंड के ग्राम पंचायत रसौटा की जागृति स्व सहायता समूह की महिलाओं सहित जिले के विभिन्न ग्राम पंचायतों की समूह की महिलाएं राखियां तैयार करने में जुटी हैं। महिलाएं धान, चावल, रंगीन मोती, नग, स्टोन, ऊन, मौली एवं रेशम के धागों सहित रंग-बिरंगी सजावटी सामग्री का उपयोग कर आकर्षक और पारंपरिक राखियां बना रही हैं।

प्राकृतिक और स्थानीय सामग्री से महकेगा रक्षाबंधन

बिहान समूह की महिलाओं ने बनाई आकर्षक राखियां, 'लखपति दीदी' योजना से संवर रहा भविष्य

कोंडागांव । जिले की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और उन्हें स्थानीय स्तर पर स्वरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से लखपति दीदी पहल के अंतर्गत भारतीय स्टेट बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान कोंडागांव द्वारा महिलाओं को राखी निर्माण का प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

प्रशिक्षण के माध्यम से महिलाओं को स्थानीय एवं प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग कर आकर्षक और बाजार में बिक्री योग्य राखियां तैयार करने का हुनर सिखाया गया।

ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान कोंडागांव में आयोजित 6 दिवसीय राखी निर्माण प्रशिक्षण शिविर में बिहान समूह से जुड़ी 25 महिलाओं ने भाग लिया। प्रशिक्षण का उद्देश्य महिलाओं को पारंपरिक त्योहारों से जुड़े उत्पादों के निर्माण के माध्यम से अतिरिक्त आय का साधन उपलब्ध कराना है, ताकि वे अपने घर और गांव में रहकर ही स्वरोजगार शुरू कर सकें। आरसेटी की सालनी देवांगन ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान महिलाओं को राखी निर्माण के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर उपलब्ध सामग्री का बेहतर उपयोग कर आकर्षक उत्पाद तैयार करने की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में खैरागढ़ से आईं प्रशिक्षक राजेश्वरी अग्रवाल ने महिलाओं को धान, चावल, दाल, बांस सहित अन्य स्थानीय सामग्रियों से आकर्षक एवं पर्यावरण अनुकूल राखियां तैयार करने का प्रशिक्षण दिया।

प्रशिक्षण के दौरान महिलाओं ने स्थानीय स्तर पर उपलब्ध हिरवा दाल का उपयोग करते हुए आकर्षक राखियां तैयार कीं। सामान्य रूप से खाद्य सामग्री के रूप में उपयोग होने वाली दाल को रचनात्मक तरीके से राखी के रूप में तैयार कर महिलाओं ने स्थानीय संसाधनों के बेहतर उपयोग का उदाहरण प्रस्तुत किया।

धान, चावल, दाल और बांस जैसी स्थानीय सामग्री से तैयार की गई राखियां न केवल देखने में आकर्षक हैं, बल्कि इनमें स्थानीयता और पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी जुड़ा हुआ है। प्रशिक्षण के दौरान महिलाओं को राखी की डिजाइन, सजावट, सामग्री का संयोजन और उत्पाद को बाजार के अनुरूप आकर्षक बनाने की जानकारी दी गई।

प्रशिक्षण के बाद महिलाओं द्वारा तैयार राखियों की बिक्री को प्रोत्साहित करने के लिए मंगलवार को जिला कार्यालय परिसर में राखी बिक्री स्टॉल लगाया गया। स्टॉल में बिहान समूह की महिलाओं द्वारा तैयार विभिन्न प्रकार की राखियां प्रदर्शित की गईं। स्थानीय सामग्री से तैयार इन राखियों को देखने और खरीदने के लिए अधिकारी-कर्मचारियों सहित अन्य लोगों ने स्टॉल का अवलोकन किया। स्टॉल के माध्यम से महिलाओं को अपने उत्पादों को सीधे ग्राहकों तक पहुंचाने और बाजार की मांग को समझने का अवसर मिला। प्रशिक्षण के साथ-साथ उत्पाद की बिक्री का व्यावहारिक अनुभव महिलाओं के लिए स्वरोजगार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

जिला चिकित्सालय जशपुर में 55 वर्षीय मरीज की जटिल आपातकालीन शल्यक्रिया सफल

जशपुरनगर। जिला चिकित्सालय जशपुर में चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों की टीम ने अत्यंत गंभीर अवस्था में भर्ती 55 वर्षीय मरीज की जटिल एवं चुनौतीपूर्ण आपातकालीन शल्यक्रिया सफलतापूर्वक संपन्न की है। मरीज आंत्र छिद्र (आंत में छेद), गंभीर संक्रमण (पेरिटोनाइटिस) और सेप्टिक शॉक की स्थिति से जूझ रहा था। अत्यंत गंभीर परिस्थितियों के बावजूद विशेषज्ञ चिकित्सकों के त्वरित निर्णय, बेहतर आपसी समन्वय, गहन चिकित्सा एवं निरंतर निगरानी से मरीज का सफल उपचार किया गया। स्वास्थ्य में पर्याप्त सुधार के बाद मरीज को आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श एवं अनुवर्ती जांच की सलाह के साथ अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। मरीज को 25 जुलाई 2026 की रात लगभग 9 बजे जिला चिकित्सालय के आकस्मिक चिकित्सा विभाग में मल एवं गैस का निष्कासन नहीं होने, तेज पेट दर्द, पेट फूलने और उल्टी की गंभीर शिकायतों के साथ लाया गया था।

विश्व स्तनपान सप्ताह के समापन पर कुपोषण मुक्ति और स्वच्छता का दिया संयुक्त संदेश

एमसीबी। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 1 से 7 अगस्त तक मनाए गए विश्व स्तनपान सप्ताह के तहत चैनपुर पंचायत में समापन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कुपोषण मुक्ति के साथ स्वच्छता के प्रति जागरूकता का संयुक्त संदेश दिया गया। इस अवसर पर स्वच्छता विषय पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया, जिसमें आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं हितग्राहियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि एवं अध्यक्ष चैनपुर सरपंच मीना कुमारी रहीं। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ किया गया। इसके पश्चात सेक्टर पर्यवेक्षक शिल्पा अग्रवाल ने अतिथियों एवं उपस्थित जनों का स्वागत करते हुए 1 से 7 अगस्त तक आयोजित विश्व स्तनपान सप्ताह के विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी दी।

शिल्पा अग्रवाल ने उपस्थित शिशुवती माताओं को स्तनपान के महत्व की जानकारी देते हुए बताया कि जन्म से छह माह तक शिशु को केवल मां का दूध पिलाना चाहिए। छह माह की आयु तक बच्चे को पानी देने की भी आवश्यकता नहीं होती, क्योंकि मां के दूध से ही शिशु की पानी सहित आवश्यक पोषण संबंधी जरूरतें पूरी होती हैं। उन्होंने बताया कि छह माह की आयु पूर्ण होने के बाद बच्चे को स्तनपान के साथ ऊपरी आहार देना शुरू करना चाहिए। बच्चे को गाढ़ा एवं पौष्टिक आहार जैसे गाढ़ी दाल आदि थोड़ी-थोड़ी मात्रा में देना चाहिए। परिवार में बनने वाले विभिन्न प्रकार के पौष्टिक भोजन में से उपयुक्त आहार बच्चे को भी खिलाना चाहिए, जिससे उसमें अलग-अलग स्वाद और खाद्य पदार्थों को अपनाने की आदत विकसित हो।

बिर्रेबेड़ा के ग्रामीणों को पेयजल के लिए अब तय नहीं करनी पड़ती दूरी : जल जीवन मिशन से बदली गांवों की तस्वीर

कांकेर । जल जीवन मिशन के तहत जिले के अंदरूनी क्षेत्रों में क्रेडा के सोलर पंपों से पेयजल की आपूर्ति हो रही है। जिन गांवों में पहले पीने के पानी के लिए जद्दोजहद कर लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी, वहीं आज सोलर पंपों से स्वच्छ एवं शुद्ध पेयजल गांवों के प्रत्येक घर में पहुंच रहा है। कुछ साल पहले ग्रामीण महिलाओं को पानी भरने के लिए काफी दूर चलना पड़ता था, कुओं व हैण्डपंपों पर घंटों लाईन लगानी पड़ती थी लेकिन आज स्थिति बेहतर हो गई है।

कांकेर जिले के कोयलीबेड़ा क्षेत्र के वनांचल ग्राम बिर्रेबेड़ा में जल जल जीवन मिशन योजना के तहत् 02 नग सोलर पेयजल पंपों की स्थापना छत्तीसगढ़ राज्य अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण (क्रेडा) द्वारा किया गया है। सोलर पेयजल पंपों की स्थापना से उन्हें गंदे पानी की समस्याओं से मुक्ति मिली है। वर्तमान में सोलर ड्यूल पंप की स्थापना से ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित हो रही है। सहायक अभियंता क्रेडा ने बताया कि सोलर ड्यूल पंप स्थापना के पूर्व ग्रामीण जन पेजयल हेतु ग्राम से दूर स्थल नदी, नाला कुंआ तथा ग्राम में स्थापित हैण्ड पंप पर निर्भर रहते थे, जिससे उन्हें बहुत समय, शारीरिक कष्ट एवं परेशानियों का सामना करना पड़ता था। ग्रामीणों का पेयजल के लिए संघर्ष करने से समय अधिक व्यतीत होता था इस कारण उनके अन्य दैनिक कार्य प्रभावित होते थे, किन्तु अब ग्राम में सोलर ड्यूल पंप स्थापित हो जाने से सुगमता से सभी परिवारों को शुद्ध एवं साफ पेयजल मिल रहा है, जिससे ग्रामीणों का समय भी बच रहा है एवं अन्य दैनिक कार्य भी निष्पादन सुगमता से कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि सोलर ड्यूल पंप ग्राम-बिर्रेबेड़ा के ग्रामीणों के लिए बहुत लाभदायक व उपयोगी सिद्ध हो रहा है। पर्यावरण के अनुकूल होने के साथ-साथ ग्राम पंचायत को किसी प्रकार के विद्युत देयक का वहन करना नहीं पड़ता है। ग्राम बिर्रेबेड़ा के जन सामान्य द्वारा ग्राम में सौर ऊर्जा से सतत् पेयजल उपलब्धता कराये जाने से राज्य शासन तथा जिला प्रशासन के प्रति आभार प्रकट किया है।

तंबाकू उत्पादों की बिक्री पर स्वास्थ्य विभाग की कार्रवाई, 11 दुकानों से वसूला 2,200 रुपये जुर्माना

एमसीबी। कलेक्टर के निर्देशानुसार जिले में तंबाकू उत्पादों की बिक्री एवं सार्वजनिक स्थानों पर तंबाकू सेवन की रोकथाम के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खरे के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य विभाग एवं खाद्य एवं औषधि प्रशासन की संयुक्त टीम ने मंगलवार को मनेन्द्रगढ़ शहर के विभिन्न क्षेत्रों में तंबाकू उत्पादों की बिक्री के विरुद्ध जांच एवं चालानी कार्रवाई की।

संयुक्त टीम द्वारा मनेन्द्रगढ़ कलेक्ट्रेट के सामने एनएच-43, नदी पार मनेन्द्रगढ़ तथा पीडब्ल्यूडी तिराहा के आसपास संचालित ठेला, होटल, रेस्टोरेंट, किराना दुकान, चाय ठेला, पान दुकान एवं गुमटियों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान तंबाकू युक्त पदार्थों की बिक्री करते पाए गए दुकानदारों के विरुद्ध सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम (कोटपा) 2003 की धारा 4 एवं 6 के तहत चालानी कार्रवाई की गई।

कार्रवाई के दौरान कुल 11 पान ठेला, रेस्टोरेंट, किराना स्टोर, गुमटियों, होटल एवं चाय दुकानों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए कुल 2,200 रुपये का जुर्माना वसूला गया। कार्रवाई के साथ ही संबंधित दुकानदारों को तंबाकू नियंत्रण कानून के प्रावधानों की जानकारी देते हुए भविष्य में नियमों का उल्लंघन नहीं करने की सख्त हिदायत दी गई।

संयुक्त टीम ने विशेष रूप से शैक्षणिक संस्थानों के 100 गज के दायरे में तंबाकू, सिगरेट एवं अन्य तंबाकू उत्पादों की बिक्री नहीं करने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने दुकानदारों को चेतावनी दी कि नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर आगे भी नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी।

जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा तंबाकू सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों के प्रति आमजन में जागरूकता बढ़ाने तथा युवाओं एवं विद्यार्थियों को तंबाकू की लत से बचाने के लिए लगातार अभियान चलाए जा रहे हैं। अधिकारियों ने नागरिकों से भी अपील की है कि वे तंबाकू मुक्त वातावरण बनाने में सहयोग करें तथा प्रतिबंधित क्षेत्रों में तंबाकू उत्पादों की बिक्री की जानकारी संबंधित विभाग को दें।

कार्रवाई के दौरान कोटपा नोडल अधिकारी डॉ. कीर्ति चौहान, डॉ. विक्की टोप्पो (स्वास्थ्य विभाग), खाद्य एवं औषधि प्रशासन से औषधि निरीक्षक विकास लकड़ा सहित पुलिस दल मौजूद रहा।

देशभक्ति की भावना पैदा करना तो अच्छी बात है...

जिस देश में हम रहते हैं, उस देश के प्रति भक्ति की भावना तो हर नागरिक में होनी चाहिए। देश का नागरिक होने के नाते तो हर आदमी के भीतर देशभक्ति की भावना होनी चाहिए।हम आजाद देश में रहते हैं,यह आजादी हमें देशभक्तों ने दिलाई है। इसलिए हर राष्ट्रीय पर्व 15 अगस्त व 26 जनवरी को लोगों में देशभक्ति की भावना पैदा करने वाले,देशभक्ति की भावना को मजबूत करने वाले कार्यक्रम हर राज्य में राज्य सरकार तो करती है, गैर सरकारी संगठन व संस्थाएं भी करती है ताकि लोगों को पता रहे कि देश को आजादी यूं ही नहीं मिल गई है, लाखों लोगों के बलिदान से मिली है और देश के लिए बलिदान वही लोग कर सकते हैं जिनके मन में देशभक्ति की भावना होती है यानी देश के लिए कुछ करने का जज्बा होता है। देशभक्त लोग देश में जितने ज्यादा होते है, उससे देश उतना मजबूत होता है।देश मजबूत रहे और मजबूत हो इसलिए देशभक्ति की भावना को जब भी बढ़ावा कोई भी देता है तो उसका स्वागत होना चाहिए। उससे प्रेरणा लेनी चाहिए और हर किसी को देशभक्ति बढ़ाने वाला कार्यक्रम करना चाहिए या ऐसे कार्यक्रम में उत्साह से शामिल होना चाहिए।

देश का स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त को मनाया जाता है,भाजपा ने हर साल की तरह स्वंतत्रता दिवस के पहले 10 से 17 अगस्त तक तिरंगा यात्रा पूरे देश में निकालने का फैसला किया और निकाला तो यह तो अच्छी बात है। इसका तो स्वागत किया जाना चाहिए कि भाजपा देश के लोगों में स्वतंत्रता दिवस के मौके पर लोगों में देश की आजादी के प्रतीक तिरंगा यात्रा निकाल रही है,लोगों में देशभक्ति की भावना पैदा कर रही है, उसे मजबूत कर रही है।इस मौके पर तो किसी संगठन को कहने की जरूरत नहीं होती कि उसे क्या करना चाहिए।सभी सरकारी व गैरसरकारी संगठन ऐसे मौको पर कई तरह का आयोजन करते हैं,देश की आजादी के लिए बलिदान करने वालों को याद करते हैं।उनके बलिदान को नमन करते हैं क्योंकि आज हम आजाद भारत में है तो देशभक्ति की भावना से भरे हुए लाखों लोगों के

बलिदान के कारण है। इसका तो किसी तरह से किसी को विरोध नहीं करना चाहिए। ऐसे राष्ट्रीय पर्व के दौरान तो राजनीति बिलकुल नहीं होना चाहिए. सभी राजनीतिक दलों को अपने राजनीतिक मतभेद भूलकर राष्ट्रीय पर्व को मिलजुलकर मनाना चाहिए। यह मौका नहीं होता है किसी को कहने का कि आप तिरंगा यात्रा निकाल सकते, आप तिरंगा यात्रा निकालने योग्य नहीं है।

राजधानी में तिरंगा यात्रा का शुभारंभ इंडोर स्टेडियम से हुआ और इसमें सभी वर्ग के लोगों ने उत्साह से हिस्सा लिया। इस यात्रा के दौरान हाथों में लहराते तिरंगे,भारत माता के जयघोष,देशभक्ति के गीतों से हजारों लोगों में अजब उत्साह रहा और इसे देखने वालों को लोगों को यह यात्रा अच्छी लगी और उनमें देशप्रेम की भावना पैदा हुई। ऐसे आयोजनों का मकसद ही देश के लोगों में देशप्रेम की भावना जगाना होता है,उनको एहसास दिलाना होता है कि देश तुम्हारे लिए क्या कुछ नहीं करता है, तुमको ऐसे देश से प्रेम करना चाहिए. उसके प्रति कृतज्ञता का भाव होना चाहिए।इस मौके पर सीएम साय ने यह कहकर कि तिरंगा हमारी आन,बान और शान है,यह केवल हमारा राष्ट्रीय ध्वज नहीं है,बल्कि भारत की एकता,अखंडता स्वाभिमान व असंख्य बलिदानों का प्रतीक है।देश मे देश के लोगों को बांधने की अद्भुत शक्ति है।अलग अलग भाषाओं संस्कृतियों,परंपराओं और क्षेत्रों की विविधता के बाद भी तिरंगा हम सभी को भारतीय होने के साझा गौरव से जोड़ता है।तिरंगा लहराता है तो हर भारतीय के मन में स्वाभाविक रूप से देश के प्रति गौरव व सम्मान का भाव जागृत करता है,तिरंगा झंडे का सम्मान किया है।सीएम साय ने सच कहा है कि तिरंगा हमें भारतीय होने का एहसास दिलाता है और एकजुट करता है। 15 अगस्त के पहले के कुछ दिन कम से कम राजनीतिक दलों को राजनीति नहीं करनी चाहिए, कोई राजनीतिक बयान नहीं देना चाहिए लेकिन अफसोस ऐसा होता नहीं है,कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज को यह बयान देने की जरूरत नहीं थी कि भाजपा तिरंगा यात्रा निकाल रही है, वह लोग तिरंगा यात्रा निकाल रहे है जो तिरंगे के तीन रंगों को अपशगुन बताते थे,जो साल आजादी के बाद 52 सालों तक अपने मुख्यालय में तिरंगा नहीं फहराते थे,जो लोग आजादी की लड़ाई के समय अंग्रेजों की दलाली कर रहे थे,जो लोग अंग्रेजों से वजीफे लेते थे।कांग्रेस भूल रही है कि इस देश में तिरंगा यात्रा निकालने का अधिकार आज सबको है।

जेन-जी को संघ के समर्थन में एक सबक है

करन सिंह होरा
संपादक
साकार भारत

संघ के सौ साल पूरे होने के साथ ही संघ प्रमुख मोहन भागवत भी अपनी छवि में नाटकीय परिवर्तन लाए हैं। उन्होंने अपने समर्थकों और आलोचकों को भी उलझन में डाल दिया है। कुछ लोगों को लग रहा है कि वे जो उदारवादी रुख अपना रहे हैं, उसके कारण संघ के ठोस वैचारिक आधार से किनारा किया जा रहा है।

इसके कारण एक ऐसा समूह उभरा है, जो पुराने रूढ़िवाद और राष्ट्रवाद से चिपका है और मानता है कि भागवत के नेतृत्व में संघ इस विचार से अलग हो रहा है। उदारवादी जमात में कुछ ऐसे भी हैं, जिन्हें भागवत ने राहत दी है। क्या यह बदलाव की बयार है? क्या वे सरकार को चेता रहे हैं? क्या वे संघ की विश्वदृष्टि को मध्यमार्ग के करीब ला रहे हैं? यहां मैं स्पष्ट कर दूं कि संघ की मूल विचारधारा में कोई बदलाव नहीं होने जा रहा है। जो कुछ दिख रहा है, वह सत्ता के 13वें साल में राजनीतिक व्यावहारिकता का प्रदर्शन है।

पिछले करीब पांच साल से, भागवत कई प्रमुख मसलों पर संघ के रुख में बदलाव को उजागर करते रहे हैं या उसके रुख को अलग तरह से प्रस्तुत करते रहे हैं। वे कई बार कह चुके हैं कि भारत (बल्कि इस पूरे उपमहादेश) के हर व्यक्ति का 'डीएनए' समान है, इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि वह किस धर्म का है।

वे यह भी कह चुके हैं कि हरेक मस्जिद के नीचे शिवलिंग खोजना बंद कीजिए। वे, और उनके उत्तराधिकारी माने जा रहे दत्तात्रेय होसबले भी कह चुके हैं कि भारत को पाकिस्तान के साथ रिश्ता बनाए रखना चाहिए। इसे वे दोनों देशों की जनता के बीच संपर्क वाला रिश्ता कह सकते हैं, लेकिन यह सरकारी रुख से एक कदम आगे वाला रिश्ता है।

यह सब बदलाव को दर्शाता है, जिसने कट्टरपंथियों को नाराज किया है, तो उदारवादियों को उत्साहित किया है। इन्हीं वजहों से पांच प्रमुख मुस्लिम हस्तियों ने 22 अगस्त 2022 को भागवत से संपर्क किया था और संवाद करने की इच्छा जाहिर की थी। अगर उदारवादी समुदाय सहायता के लिए संघ नेतृत्व की ओर देखता है तो कहा जा सकता है कि भारत ने आगे की तरफ कुछ कदम बढ़ाया है। आप इसे संशय की नजर से भी देख सकते हैं, और उम्मीद भरी नजर से भी। यह भी मुमकिन है कि जब सरकार खास तौर से मुश्किल में फंस जाए- जैसे कि जंतर-मंतर प्रकरण- तब वे अच्छे रक्षक की भूमिका में आ जाएं। जिस मंत्री को इस्तीफा दिलवाना पड़ा, वे संघ की भी प्रमुख हस्ती थे।

पीड़िता को ही कठघरे में खड़ा करने की आदत हमें क्या बताती है?

2014 में तरुण तेजपाल यौन उत्पीड़न मामले के दौरान प्रकाशित एक लेख में उलटे पीड़िता पर ही लांछन लगाने के लिए 'बबलगम फेमिनिज्म' शब्द का इस्तेमाल किया गया था। वह वाक्य मेरे जेहन में रह गया। इसलिए नहीं कि उसमें कोई खास चतुराई थी। बल्कि इसलिए कि इसमें एक खास किस्म की विडम्बना थी- यह कि बुद्धिजीवियों का एक वर्ग नारीवाद को ही बबलगम कहकर खारिज कर रहा था, जबकि ऐसा करते समय खुद मानक आचरण का उदाहरण नहीं पेश कर रहा था। तरुण तेजपाल कोई गुमनाम नागरिक नहीं थे। वे तहलका के संस्थापक और प्रधान संपादक थे तथा भारत के सबसे चर्चित खोजी पत्रकारों में से एक थे। उनकी पेशेवर प्रतिष्ठा शक्तिशाली लोगों और संस्थाओं को बेनकाब करने पर बनी थी। इसलिए भी उनके खिलाफ लगे आरोपों की खासतौर पर कठोर जांच की अपेक्षा थी।

लेकिन इसके बजाय, सार्वजनिक विमर्श का एक बड़ा हिस्सा उस महिला की पड़ताल में बदल गया, जिसने आरोप लगाया था। उसके मैसेजेस चेक किए गए। उसके आचरण का परीक्षण किया जाने लगा। तेजपाल और उनके परिवार से उसके संबंधों की भी तफ्तीश हुई। उसकी विश्वसनीयता को परखा गया। उसके व्यवहार में पाई गई किसी भी अस्पष्टता को उनके आरोपों की सच्चाई पर संदेह करने का अवसर बना लिया गया।

इसका यह अर्थ नहीं है कि किसी पीड़िता के बयान को जांच-पड़ताल से परे मान लिया जाना चाहिए। पत्रकारिता कोई एक्टिविज्म नहीं है। आरोपों की जांच होनी चाहिए। साक्ष्य मायने रखते हैं। आरोप लगाने वाले के व्यक्तित्व के विरोधाभासों का भी मुआयना किया जाता है। फिर आरोपी के भी कुछ अधिकार होते हैं और कानूनी प्रक्रियाएं महत्वपूर्ण हैं।

लेकिन किसके व्यवहार पर पूछताछ की जाती है और किसकी प्रतिष्ठा की रक्षा की जाती है- यह भी अपने आप में पत्रकारिता के मूल्यों से जुड़ा सवाल है। मी-टू आंदोलन के दौरान मैंने ऐसे कई लोगों को सार्वजनिक रूप से सवालों के दायरे में रखा, जो मेरे दोस्तों में शुमार थे।

ये अमीर और शक्तिशाली लोग थे। ऐसा करने की मुझे कीमत चुकानी पड़ी। कुछ लोगों ने मुझसे बात करना बंद कर दिया। कुछ ने मुझे काम देना बंद कर दिया। मैंने दोस्त खोए, पेशेवर रिश्ते खोए। लेकिन मेरा मानना था कि दोस्ती सिद्धांतों से अधिक महत्वपूर्ण नहीं हो सकती।

दिलचस्प बात यह है कि उनमें से कुछ लोग आखिरकार वापस लौटकर आए और उन्हें वास्तव में अपने किए पर पछतावा था। उन्होंने मुझसे कहा कि उन्होंने अपने व्यवहार में बदलाव किया है। वे यह समझने लगे थे कि उनके पालन-पोषण या पेशेवर माहौल में जिन चीजों को सामान्य मान लिया गया था, यह जरूरी नहीं था कि वे स्वीकार्य भी हों। उन्होंने माना कि जिस व्यवहार को वे सामान्य समझते थे, वह वास्तव में यौन उत्पीड़न की श्रेणी में आ सकता है। मेरे लिए जवाबदेही का यही मतलब है।

और अगर मेरे जैसा कोई व्यक्ति दोस्ती को एक तरफ रख सकता है, तो उन शक्तिशाली संस्थानों के पास क्या बहाना है, जो दशकों से खुद को नारीवाद, समानता और जवाबदेही के पैरोकार के रूप में पेश करते आते रहे हैं? जब शक्तिशाली व्यक्ति कोई दोस्त, सहकर्मी, मार्गदर्शक हो, तो सत्ता के सामने सच बोलने का सिद्धांत समझौते का विषय क्यों बन जाता है?

क्योंकि किसी पीड़िता से सवाल करना और सत्ता से सवाल करना, दोनों में फर्क है। जो लगातार पहले विकल्प को चुनते हैं और दूसरे से बचते हैं, उन्हें साहसी नहीं कहा जा सकता।

(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

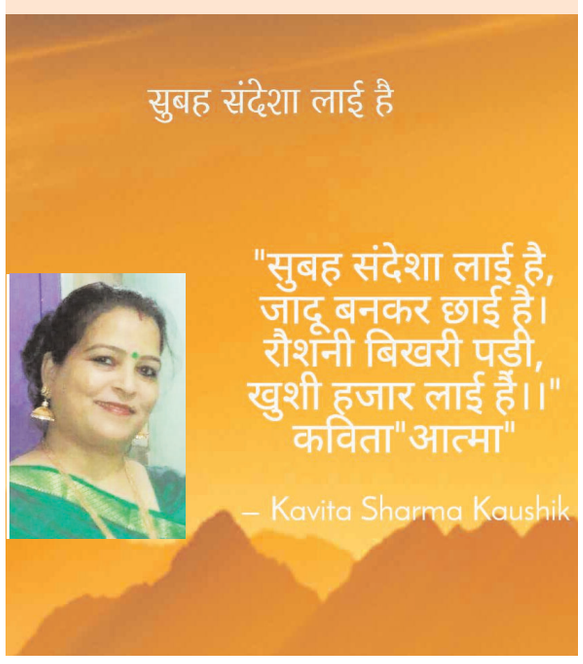

चुनाव लड़ना ज्यादा जरूरी है या देश में कोई बदलाव लाना?

क्या सीजेपी को अब एक राजनीतिक दल बन जाना चाहिए? इसके पक्ष में कई तर्क दिए जा रहे हैं। उसके साथ युवाओं का व्यापक समर्थन और लगाव दिख रहा है। वह प्रतिरोध की नई भाषा के लिए जानी जा रही है। यही नहीं, मौजूदा पीढ़ी का जिस व्यवस्था से मोहभंग है, उसके दायरे में पुराने दल भी शामिल हैं। फिर लोकतंत्र में किसी जन-संगठन को वास्तविक और वैध राजनीति से क्यों परहेज होना चाहिए? अंततः सारे बदलाव राजनीति से ही संचालित होते हैं।

सतह पर ये तर्क सही दिखते हैं। लेकिन इनके प्रतितर्क भी हैं। अण्णा आंदोलन के बाद आम आदमी पार्टी लगभग इन्हीं तर्कों के साथ गठित की गई थी। जल्द ही वह अपनी क्रांतिकारी ऊर्जा गंवाकर राजनीति की यथास्थितिवादी धारा में शामिल हो गई।

यानी जैसे ही आप राजनीति में उतरते हैं, आपको कई मजबूरियां घेर लेती हैं। चुनाव लड़ने के लिए धन चाहिए- तो आप पूंजीपतियों के प्रति नरम हो उठते हैं। वोट पाने के लिए लोकप्रिय नारे गढ़ने होते हैं तो अप्रचलित विचारों या क्रांतिकारी धारणाओं से आप परहेज करने लगते हैं। धीरे-धीरे आप समझौतापरस्त हो उठते हैं और आपकी सारी लड़ाई चुनाव जीतने और सरकार बनाने तक सीमित रह जाती है। आप कहीं जातिवाद का संरक्षण करते हैं तो कहीं सांप्रदायिकता को बढ़ावा देते हैं।

लेकिन अण्णा आंदोलन से निकली आप हो या जंतर-मंतर से निकली सीजेपी- वह अगर चुनाव नहीं लड़ेगी तो क्या होगा? अण्णा आंदोलन से आक्रोश की जो ऊर्जा फूटी, उसने राष्ट्रीय स्तर पर बीजेपी को प्रक्षेपित कर दिया। अगर आप गठित न हुई होती तो दिल्ली भी शायद उन्हीं दिनों बीजेपी की हो चुकी होती। मगर फिर वही प्रश्न है- सरकार बनाना महत्वपूर्ण है या बदलाव की बयार बनाना?

लोकतंत्र को सिर्फ राजनीतिक दलों ही नहीं, ऐसे सामाजिक संगठनों, ऐसे दबाव-समूहों की जरूरत भी पड़ती है, जो राजनीति की धारा मोड़ सकें, राजनीतिक दलों को मजबूर कर सकें कि वे उसके सुझाए मुद्दों की बात करें। यह जंतर-मंतर और झारखंड के मूलतः गैर-राजनीतिक आंदोलनों का ही असर है कि शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षा और नियुक्तियों का जो भ्रष्टाचार दशकों से चला आ रहा था, वह अचानक एक ज्वलंत मुद्दा बन गया। इसी तरह अचानक सभी राजनीतिक दलों को एहसास हुआ कि जेन-जी और जेन-अल्फा से जुड़ना, उनसे संवाद करना जरूरी है।

देश को वैकल्पिक राजनीति की जरूरत है। लेकिन इस वैकल्पिक राजनीति के नाम पर जो दल बने, वे खुद लोकतंत्र पर बोझ ही बने। इन दिनों चिंताजनक बात यह भी है कि लोकतंत्र बिल्कुल चुनावी जीत का, संसदीय बहुमत का पर्याय बना दिया गया है, जबकि किसी भी आदर्श और स्वस्थ लोकतंत्र में बहुत सारी संवैधानिक और सामाजिक संस्थाओं की जरूरत पड़ती है। हमारे यहां भी ऐसी संस्थाएं हैं, लेकिन जैसे वे अपनी तेजस्विता, अपनी धार और संसदीय राजनीति के आगे अपनी प्रतिरोध-क्षमता खो रही हैं।

बाकी सामाजिक-सांस्कृतिक संगठन बिल्कुल अप्रासंगिक बन गए हैं। न लेखकों की आवाज बची है न दूसरे अनुशासनों से जुड़े बुद्धिजीवियों की। इनकी भरपाई किसी अहम मुद्दे पर फिल्मी सितारों या क्रिकेटरों की राय लेकर कर ली जाती है। तो एक बहुत बड़ा बौद्धिक शून्य है, जिसे भरे जाने के लिए राजनीतिक कम, गैर-राजनीतिक प्रयत्न ज्यादा जरूरी हैं। अच्छी बात यह है कि अभिजीत दिपके ने कहा है कि वे सीजेपी को दबाव-समूह ही बनाए रखना चाहते हैं- लेकिन इसे फिर अपना सामाजिक-बौद्धिक विस्तार भी करना होगा, तभी वह सार्थक और वास्तविक विकल्प की राह बना पाएगा- राजनीतिक दलों को मजबूर कर सकेगा कि वे जरूरी मुद्दे उठाएं और सही दिशा में बढ़ें। लोकतंत्र को सिर्फ राजनीतिक दलों ही नहीं, ऐसे सामाजिक संगठनों, ऐसे प्रेशर-ग्रुप्स की जरूरत भी पड़ती है, जो राजनीति की धारा मोड़ सकें और राजनीतिक दलों को मजबूर कर सकें कि वे उसके सुझाए मुद्दों पर बात करें।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

युग तुलसी श्रीरामकिंकर उवाच ...

मंथरा ने कैकेईजी की बुद्धि में तीव्रतम लोभ भर दिया। इसका अभिप्राय है क्रिया में फल की तीव्रतम आकांक्षा है, और भई ! व्यक्ति जब क्रिया करता है तब उसमें यदि फल की आकांक्षा हो तो कोई आश्चर्यजनक प्रतीत नहीं होता। बल्कि कहना यह चाहिए कि व्यक्ति पहले फल का निश्चय करके ही कर्म की ओर प्रवृत्त होता है। लेकिन गीता में यह संकेत किया गया कि – कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन – व्यक्ति को कर्म करना चाहिए, फल पर दृष्टि नहीं रखनी चाहिए। और कैकेईजी के संदर्भ में यह बात स्पष्ट हो जाती है कि व्यक्ति की दृष्टि जब फल में अटक जाती है, तब व्यक्ति फल को ही सबसे बड़ी सफलता मान लेता है, (लोग मानते भी यही है कि सफलता ही जीवन का चरम लक्ष्य है) तब उसका परिणाम होता है कि उसके अंतःकरण में न्याय-अन्याय की वृत्ति रह ही नहीं पाती। क्योंकि व्यक्ति में जितनी तीव्र फलाकांक्षा होगी उतना ही व्यक्ति यह सोचेगा कि चाहे न्याय से हो या अन्याय से, पाप से हो या पुण्य से, हमारा संकल्प पूर्ण होना चाहिए तथा हमें फल की प्राप्ति होनी चाहिए। और कैकेईजी के चरित्र में तीव्रतम फलाकांक्षा का यही रूप दिखाई देगा, क्योंकि क्रिया फलाकांक्षाग्रस्त हो गई।

शिष्य विशु व्ही.पी. नेगी
श्री रामकिंकर आध्यात्मिक मिशन रायपुर
मो.नं. 9425227937

क्या शिया ईरान के खिलाफ सुन्नी गठजोड़ बनाया गया है?

तुर्किये, सऊदी अरब, पाकिस्तान के बीच मक्का में हुए समझौते को 'मुस्लिम नाटो' बताया जा रहा है। समझौते में कहा गया है कि किसी एक पर हमला तीनों पर हमले जैसा माना जाएगा। यह नाटो के अनुच्छेद-5 जैसा है, लेकिन इसमें यह स्पष्ट नहीं है कि हमले के बाद किस प्रकार की सैन्य सहायता दी जाएगी। हो सकता है यह अस्पष्टता जानबूझकर रखी गई हो। इन तीनों देशों की रणनीतिक ताकत अलग-अलग है। सऊदी अरब की ताकत धन, तेल और उसकी रणनीतिक भौगोलिक स्थिति है। पाकिस्तान मुस्लिम जगत का एकमात्र परमाणु-हथियार सम्पन्न राष्ट्र है। तुर्किये के पास ताकतवर सेना और उन्नत रक्षा उद्योग है। तीनों की समझौते की वजहें भी अलग हैं। सऊदी अरब सुरक्षा का भरोसा चाहता है। पाकिस्तान रणनीतिक हैसियत में ऊंचा दर्जा चाहता है।

तुर्किये रणनीतिक प्रभाव बढ़ाना चाहता है। हाल के घटनाक्रम से सऊदी अरब के लिए खतरे सामने आए हैं। ऐसे में यह समझौता उसके लिए अतिरिक्त सुरक्षा कवच जैसा है। इस समझौते से पाकिस्तान को सबसे बड़ा तात्कालिक लाभ मिलता दिखता है। सुरक्षा को लेकर उसकी सोच भारत, अफगानिस्तान, आतंकवाद और आंतरिक चुनौतियों के इर्द-गिर्द ही घूमती रही है।

यह समझौता उसे दक्षिण एशिया से आगे भी एक व्यापक सुरक्षा ढांचे में भूमिका प्रदान करता है। लेकिन अगर ईरान सऊदी अरब पर हमला करता है तो क्या समझौते के तहत पाकिस्तान युद्ध में शामिल होगा? सऊदी अरब और ईरान, दोनों से पाकिस्तान के हित जुड़े हैं तो उसके लिए किसी एक के खिलाफ दूसरे को चुनना आसान नहीं होगा। यानी इस समझौते से पाकिस्तान की प्रासंगिकता के साथ ही उसकी दुविधा भी बढ़ती है।

तुर्किये नाटो, रूस, ईरान, खाड़ी देशों, पाकिस्तान, मध्य एशिया के साथ संबंध बनाए हुए है। लेकिन सीरिया, इराक, कॉकेशस क्षेत्र में भी उसके महत्वपूर्ण हित हैं, जहां उसका ईरान से सामंजस्य जरूरी है। अगर ईरान सऊदी अरब पर हमला करता है तो तुर्किये क्या करेगा?

इंटेलिजेंस, हवाई रक्षा, नौसैनिक सहायता, लड़ाकू विमान देने जैसी मदद करेगा या ईरान के खिलाफ सीधी सैन्य कार्रवाई करेगा? वहीं यदि सीरिया या इराक को लेकर तुर्किये का ईरान से टकराव होता है तो क्या सऊदी और पाकिस्तान भी युद्ध में उतरेंगे?

गठबंधन आक्रमण को तो रोकते हैं, लेकिन वे एक-दूसरे के लिए उलझन-भरी स्थिति भी पैदा कर सकते हैं। तुर्किये की नाटो सदस्यता इस समीकरण को और जटिल बना देती है। इसलिए शायद अनुच्छेद-5 जैसा प्रावधान जानबूझकर अस्पष्ट रखा गया होगा। यानी हमले के प्रति मजबूत प्रतिरोध का संकेत, लेकिन अनिवार्य तौर पर युद्ध में उतरने की बाध्यता नहीं।

एक सवाल यह भी सामने आता है कि क्या यह ईरान के खिलाफ सुन्नी समझौता है? इसके सांप्रदायिक गणित को अनदेखा नहीं किया जा सकता। तीनों सुन्नी-बहुल देश हैं और ईरान एक प्रमुख शिया ताकत, फिर भी ऐसा कहना एक सरल-सा निष्कर्ष होगा। यह समझौता आधिकारिक रूप से रक्षात्मक है और सऊदी अरब ईरान के साथ संबंध सुधारने के लिए भी काम कर भी चुका है। फिर भी ईरान इस समझौते पर नजर रखने वाली सबसे महत्वपूर्ण बाहरी ताकत होगा। अमेरिका भी शायद इसे अच्छा कदम माने कि क्षेत्रीय साझेदार सुरक्षा की अधिक जिम्मेदारी खुद उठा रहे हैं। मक्का समझौता, अब्राहम समझौते को भी अनिवार्य तौर पर समाप्त नहीं करता। यह सऊदी अरब को एक और रणनीतिक विकल्प देता है और उसकी मोलभाव की ताकत को बढ़ाता है। वह अमेरिका के साथ अपने रक्षा संबंध बरकरार रखते हुए तुर्किये और पाकिस्तान के साथ रक्षा सहयोग बढ़ा सकता है और इजराइल के साथ रिश्ते सामान्य करने की संभावना भी खुली रख सकता है।

मक्का समझौते के सांप्रदायिक गणित को अनदेखा नहीं किया जा सकता। सऊदी, तुर्किये और पाकिस्तान- तीनों सुन्नी-बहुल देश हैं और ईरान एक प्रमुख शिया ताकत। फिर भी ऐसा कहना शायद एक सरल-सा निष्कर्ष होगा।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

डर दूर हुआ: 50 साल नक्सलियों ने काला झंडा फहराया, अब लहराया तिरंगा

रायपुर/दंतेवाड़ा। भारत 1947 में अंग्रेजी हुकूमत से आजाद हो गया था, लेकिन बस्तर के घने जंगलों में बसे कुछ गांवों के लिए आजादी का मतलब अब जाकर सामने आया है। दंतेवाड़ा के लावा, बड़ेपल्ली और बैंनपाल गांवों में करीब पांच दशक तक नक्सलवाद का साया ऐसा रहा कि यहां राष्ट्रीय पर्व मनाना तो दूर, तिरंगा हाथ में लेना भी बच्चों और ग्रामीणों के लिए डर का कारण था।

हर 15 अगस्त को जहां देशभर में तिरंगा फहराया जाता था, वहीं इन गांवों में नक्सली काला झंडा फहराकर आजादी के जश्न पर रोक लगाते थे। 31 मार्च 2026 के बाद तस्वीर बदली। अब इन्हीं गांवों में बंदूकों की खामोशी के बीच राष्ट्रगान और भारत माता की जय के नारे सुनाई दे रहे हैं। पहली बार स्कूली बच्चों ने हाथों में तिरंगा थामा। गांव की पगडंडियों पर तिरंगा यात्रा निकाली।

शुरुआत में बच्चे झिझक रहे थे। कई बच्चे तिरंगा हाथ में लेने से भी डर रहे थे। शिक्षकों ने उन्हें समझाया कि अब डरने की जरूरत नहीं है। बस्तर नक्सल

मुक्त हो चुका है। इसके बाद बच्चों ने हिम्मत जुटाई। तिरंगा लेकर गांव में निकल पड़े। उनके साथ शिक्षक भी मौजूद रहे। बच्चे भारत माता की जय और वंदे मातरम् के नारे लगाते रहे।

जिस गांव में सरकारी आयोजन तक नहीं होते थे, वहां अब स्कूल की घंटी बज रही: लावा, बड़ेपल्ली और बैंनपाल ऐसे इलाके रहे हैं, जहां लंबे समय तक प्रशासन की पहुंच नहीं थी। नक्सलियों के प्रभाव के कारण यहां सरकारी गतिविधियां लगभग ठप थीं। स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस जैसे राष्ट्रीय पर्व भी सामान्य तरीके से नहीं मनाए जा सकते थे।

इस वर्ष इन गांवों में स्कूल शुरू होना बदलाव की सबसे बड़ी तस्वीर है। बच्चों की पढ़ाई शुरू होने के बाद अब राष्ट्रीय पर्वों को लेकर भी तैयारियां की जा रही हैं। करीब 46 साल बाद यहां स्वतंत्रता दिवस पर तिरंगा फहराने की तैयारी है। जिन बच्चों ने अब तक स्वतंत्रता दिवस को सिर्फ दूसरे गांवों या किताबों में देखा था, वे इस बार अपने गांव में ही तिरंगे के सामने खड़े होंगे। एक तरफ देश आजादी की 80वीं वर्षगांठ मनाने की तैयारी कर रहा है।

किराए पर उपलब्ध है
तेलीबांधा शीतल कॉम्प्लेक्स में दुकान/ऑफिस के लिए जगह किराए पर उपलब्ध है।
संपर्क-9302222222

रायपुर में 8 दिवसीय शिव महापुराण कथा

रायपुर। रायपुर के अमलीडीह स्थित डीपी होम्स कॉलोनी में सावन के पवित्र महीने में 8 दिवसीय श्री शिव महापुराण कथा का आयोजन किया गया। कथा का वाचन पंडित अखिलेश दुबे ने किया। कार्यक्रम के मुख्य आयोजक शिव कौशल और भागवत कौशल रहे।

कथा में कॉलोनी के लोगों के साथ शहर के अलग-अलग इलाकों से भी श्रद्धालु शामिल हुए। कथा के दौरान शिवलिंग, गुणनिधि, नारद के अहंकार, सती के जन्म और आत्मबलिदान, माता पार्वती के जन्म, शिव-पार्वती विवाह, कार्तिकेय और गणेश जी की कथा सुनाई गई।

इसके अलावा त्रिपुरासुर वध, वृंदा-जालंधर प्रसंग, बाणासुर की कथा, 12 ज्योतिर्लिंगों की महिमा और भगवान हनुमान के जीवन से जुड़े प्रसंग भी बताए गए। पंडित अखिलेश दुबे ने भगवान गणेश का उदाहरण देते हुए माता-पिता की सेवा और सम्मान के महत्व पर भी जोर दिया।

कथा के दौरान रोजाना पार्थिव शिवलिंग की पूजा और अभिषेक किया गया। इसके साथ मंत्र जाप और आरती भी हुई। पांचवें दिन भजन संध्या और हनुमान चालीसा का पाठ रखा गया।

छत्तीसगढ़ में बाढ़ को लेकर अलर्ट मोड पर प्रशासन

18 को स्टेट लेवल टेबल-टॉप एक्सरसाइज, 20 अगस्त को होगी मॉक ड्रिल

रायपुर। छत्तीसगढ़ में बाढ़ की स्थिति बनने पर उससे निपटने की तैयारी तेज कर दी गई है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) ने राज्य में बाढ़ से निपटने की तैयारियों और विभागों के बीच तालमेल की जांच के लिए दो बड़े अभ्यास कराने का फैसला लिया है।

18 अगस्त को राज्य स्तरीय टेबल-टॉप एक्सरसाइज होगी, जबकि 20 अगस्त को मॉक ड्रिल कर वास्तविक स्थिति में राहत और बचाव की तैयारी को परखा जाएगा।

पहले कागज पर तैयारियों की जांच, फिर मैदान में होगा अभ्यास

18 अगस्त को होने वाली टेबल-टॉप एक्सरसाइज में बाढ़ की स्थिति को मानकर अधिकारियों से पूछा जाएगा कि ऐसी स्थिति में कौन सा विभाग क्या काम करेगा। इसमें राहत, बचाव, लोगों को सुरक्षित जगह पहुंचाने और जरूरी सामान उपलब्ध कराने की पूरी प्रक्रिया की जांच होगी।

इसके बाद 20 अगस्त को मॉक ड्रिल होगी। इसमें बाढ़ जैसी स्थिति बनाकर राहत और बचाव टीमों की तैयारी को जमीन पर परखा जाएगा। इसका मकसद यह देखना है कि आपदा के समय अलग-अलग विभाग कितनी जल्दी एक-दूसरे के साथ मिलकर काम कर सकते हैं।

बिना देरी राहत पहुंचाने पर फोकस

राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग की सचिव शम्मी आबिदी ने सभी जिलों के आपदा प्रबंधन अधिकारियों को टेबल-टॉप एक्सरसाइज और एसओपी को अच्छी तरह समझने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने कहा कि असली बाढ़ या किसी दूसरी आपदा के समय राहत और बचाव में बिल्कुल भी देरी नहीं होनी चाहिए। इसके लिए पहले से अभ्यास करना जरूरी है।

कॉन्फ्रेंस में बाढ़ के दौरान अलग-अलग विभागों के काम और आपसी तालमेल पर चर्चा हुई। स्वास्थ्य विभाग को घायलों और बीमार लोगों के इलाज की व्यवस्था करनी होगी।

लोक निर्माण विभाग को सड़क और दूसरी जरूरी व्यवस्थाएं संभालनी होंगी। जल संसाधन विभाग को बांध और जलभराव की स्थिति पर नजर रखनी होगी।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को पीने के पानी की व्यवस्था और पशुपालन विभाग को बाढ़ में फंसे पशुओं के लिए जरूरी इंतजाम करने होंगे।

बैठक में नगर सेना, फायर ब्रिगेड, नागरिक सुरक्षा, पुलिस मुख्यालय, रायपुर रेल मंडल, स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट, दूरसंचार, विज्ञान केंद्र और औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा विभाग के अधिकारी भी शामिल हुए।

पंचायत, ऊर्जा, परिवहन और खाद्य विभाग के अधिकारियों ने भी तैयारियों पर चर्चा की। प्रदेश के सभी जिलों के नोडल अधिकारी भी ऑनलाइन इस कॉन्फ्रेंस से जुड़े रहे।

अब 18 और 20 अगस्त को होने वाले दोनों अभ्यासों के जरिए यह देखा जाएगा कि बाढ़ जैसी स्थिति आने पर प्रदेश का पूरा सिस्टम कितनी जल्दी राहत और बचाव का काम शुरू कर सकता है।

एक महीने में छापे 12.50 लाख के नकली नोट

रायपुर/कवर्धा। कवर्धा में 3.75 लाख रुपए की पुरानी उधारी चुकाने के चक्कर में जाली नोट छापने वाले गिरोह का भंडाफोड़ हुआ है। अप्रैल 2026 में आरोपी घुरवा राम ने ग्राम कमरा खोल निवासी दिनेश यादव से ?3.75 लाख उधार लिए थे।

रकम वापस मांगने पर 9 अगस्त की रात पोंडी स्थित शराब दुकान के पास आरोपी ने अपने साथी सतीश कुमार के जरिए दिनेश को काले बैग में 500-500 के ब्याज समेत 4.50 लाख मूल्य के नकली नोट थमा दिए। नोटों के कागज़ और रंग पर संदेह होने पर जब दिनेश ने पोंडी चौकी में शिकायत दर्ज कराई, तो पुलिस जांच में पूरी साज़िश का खुलासा हुआ।

पड़ताल में सामने आया कि आरोपियों ने 13 जुलाई को एक कलर प्रिंटर खरीदा था और कवर्धा के नए बस स्टैंड के पास कमरा किराए पर लेकर महज़ एक महीने में 12.50 लाख रुपए के नकली नोट तैयार कर लिए थे। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी घुरवा राम, सतीश कुमार और रामप्रसाद उर्फ रमऊ को गिरफ्तार कर लिया। तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेशी के बाद जेल भेज दिया है। अब जांच का अगला फोकस जाली नोटों के नेटवर्क और उनकी सप्लाई चेन पर है। आरोपियों के कब्जे से 12.50 लाख रुपए के जाली नोट, एक टाटा पंच ईवी कार, कलर प्रिंटर और मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। एक महीने में 12.50 लाख की नकली करेंसी तैयार : पुलिस की जांच में सामने आया कि आरोपी रामप्रसाद और सतीश ने 13 जुलाई को कलर प्रिंटर खरीदा था। इसके बाद दोनों ने नया बस स्टैंड के पास 5 हजार रुपए में किराए पर कमरा लिया। आरोप है कि इसी कमरे में 100, 200 और 500 रुपए के नकली नोट तैयार किए जा रहे थे।

यह मामला सिर्फ नकली नोटों की छपाई तक सीमित नहीं है। पुलिस की कार्रवाई ने शहर में किराएदार सत्यापन की व्यवस्था पर भी सवाल खड़े किए हैं। आरोपियों ने नया बस स्टैंड जैसे भीड़भाड़ वाले इलाके में कमरा लिया। यदि किराएदारों का पुलिस वेरिफिकेशन कराया होता, तो संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी पहले ही सामने आ सकती थी।

रामप्रसाद: कवर्धा के नया बस स्टैंड के पास इसी ने कमरा किराए पर लिया था। यही नहीं, जाली नोट छापने के लिए प्रिंटर की व्यवस्था भी इसी ने की थी।

रामप्रसाद और घुरवा राम: ये दोनों किराए के कमरे में कलर प्रिंटर से 100, 200 और 500 रुपए के जाली नोट तैयार करते थे।

सतीश और रामप्रसाद: जाली नोटों को पहुंचाने का काम दोनों करते थे। 9 अगस्त की रात ये दोनों उधारी चुकाने के नाम पर 4.50 लाख के जाली नोट देने गए थे। प्रिंटर की मेमोरी और टोनर बताएगा कितनी करेंसी छापी कवर्धा की पोंडी चौकी पुलिस द्वारा जब्त ?12.50 लाख की जाली करेंसी के मामले में अब जांच का मुख्य केंद्र गिरोह द्वारा इस्तेमाल किया गया कलर प्रिंटर है। पुलिस यह पता लगाने के लिए जब्त प्रिंटर को रायपुर की साइबर फॉरेंसिक लैब भेजने की तैयारी में है कि आरोपियों ने 12.50 लाख के अलावा भी और नकली नोट छापे थे या नहीं।

रायपुर में 26 साल से छिपा बांग्लादेशी घुसपैठिया अरेस्ट

रायपुर। रायपुर के संजय नगर इलाके में पुलिस ने छापेमारी कर एक बांग्लादेशी नागरिक को गिरफ्तार किया है। आरोपी करीब 26 साल से रायपुर में रह रहा था और यहां गाड़ी मैकेनिक का काम करता था। मामला टिकरापारा थाना क्षेत्र का है।

आरोपी की पहचान रेहान के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि वह करीब 5 साल की उम्र में अपने माता-पिता के साथ रायपुर आया था। पिछले साल घुसपैठियों के खिलाफ चलाए गए अभियान के दौरान वह अपने माता-पिता के साथ बांग्लादेश लौट गया था।

रेहान कुछ दिन पहले दोबारा रायपुर आया और संजय नगर में

चोरी-छिपे रहने लगा। इसकी जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने सोमवार को कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अब आरोपी के परिजनों की तलाश कर रही है।

माशिमं ने ठगी से बचने के लिए जारी की एडवायजरी: कहा- नंबर बढ़ाने को लेकर आने वाले सारे कॉल फेक, पुलिस में शिकायत करें

रायपुर। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल की दूसरी मुख्य/अवसर परीक्षा खत्म होने के बाद उत्तर पुस्तिकाओं की जांच चल रही है। इसी बीच बोर्ड ने छात्रों और अभिभावकों को फर्जी फोन कॉल से सावधान रहने कहा है।

बोर्ड के मुताबिक 2024 और 2025 में भी कुछ छात्रों और पालकों को रिजल्ट सुधारने, नंबर बढ़ाने और पास कराने के नाम पर फर्जी कॉल आए थे। इन कॉल में फोन करने वाले ने परीक्षा का रिजल्ट बदलने या अंक बढ़ाने के बदले पैसे की मांग की थी।

बोर्ड ने साफ किया है कि ऐसे

फोन कॉल का छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल से कोई संबंध नहीं है।

बोर्ड ने छात्रों और अभिभावकों से कहा है कि अगर कोई व्यक्ति फोन या किसी दूसरे माध्यम से संपर्क कर परीक्षा में नंबर बढ़ाने, रिजल्ट सुधारने या पास कराने की बात करता है तो उसकी बात पर भरोसा न करें। ऐसे व्यक्ति को किसी भी तरह का पैसा न दें।

बोर्ड ने यह भी कहा है कि फर्जी कॉल करने वाले किसी छात्र की परीक्षा या रिजल्ट से जुड़ी जानकारी बताकर भरोसा दिलाने की कोशिश कर सकते हैं। ऐसे मामलों में सावधानी बरतें।

अगर किसी छात्र या अभिभावक के पास इस तरह का फोन आता है तो इसकी शिकायत नजदीकी पुलिस थाने में करने की सलाह दी गई है। फोन करने वाले को पैसे देने या अपनी निजी और बैंक से जुड़ी जानकारी साझा करने से भी बचने को कहा गया है।

छत्तीसगढ़ में 400+ हाथी, 16 जिलों में मौजूदगी:झारखंड से सरगुजा के रास्ते छत्तीसगढ़ में आए थे हाथी, 9 कॉरिडोर; सरगुजा-बिलासपुर पसंदीदा जगह

रायपुर/बिलासपुर। छत्तीसगढ़ से करीब 60 साल तक गायब रहे हाथियों की 1988 में सरगुजा (तत्कालीन मप्र का हिस्सा) के रास्ते वापसी हुई। इसके बाद उनका दायरा बढ़ता गया। मानव-हाथी संघर्ष राज्य के लिए बड़ी चुनौती बन गया। राज्य निर्माण के बाद 2001 से 2026 तक हाथियों के हमलों में 972 लोगों की मौत हुई है। इसी दौरान 262 हाथियों की भी जान गई। इनमें 62 मौतें करंट से हुई।

प्रदेश के 16 जिलों में अब करीब 400 हाथियों की मौजूदगी है। वे जंगल से लगे जिलों के साथ राजधानी रायपुर और बिलासपुर के नजदीक तक पहुंच चुके हैं। नौ कॉरिडोर चिह्नित हो चुके हैं। 1988 से अब तक हाथियों के हमलों में करीब 1100 लोगों की मौत हुई है। राज्य सरकार 20 करोड़ रुपए से ज्यादा मुआवजा बांट चुकी है।

केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय के मुताबिक देश में हर साल हाथियों के हमलों में करीब 500 लोगों मारे जाते हैं। छत्तीसगढ़, ओडिशा, असम और पश्चिम बंगाल इससे सबसे ज्यादा प्रभावित राज्यों में शुमार हैं। देश के कुल हाथियों में

छत्तीसगढ़ की हिस्सेदारी महज 1 से 2% है, लेकिन हाथियों के हमलों से होने वाली 12 से 15% मौतें यहीं दर्ज हो रही हैं।

खनन बढ़ा तो झारखंड से छत्तीसगढ़ आए हाथी वन अधिकारियों और विशेषज्ञों के मुताबिक 20वीं सदी की शुरुआत तक छत्तीसगढ़ के स्थानीय हाथी विलुप्त हो चुके थे। अविभाजित बिहार के पलामू और सिंहभूम के जंगलों में खनन परियोजनाएं बढ़ने के बाद हाथियों का पहला स्थायी दल 1988 में अविभाजित मध्यप्रदेश के सरगुजा क्षेत्र में आया। दल लौट गया, लेकिन हाथियों की आवाजाही शुरू हो गई।

वर्ष 1995 के बाद उनका आना नियमित हो गया। हाथी सरगुजा और जशपुर के रास्ते झारखंड से ओडिशा के बीच आते-जाते थे। इसलिए जशपुर को आज भी छत्तीसगढ़ में हाथियों का प्रवेश द्वार कहा जाता है। सरगुजा, रायगढ़ और जशपुर के जंगल उनके पारंपरिक कॉरिडोर बने। बाद में हाथी आसपास के जिलों में फैलने लगे और लोगों से टकराव बढ़ता गया।

छत्तीसगढ़ में लंबे अंतराल के बाद हाथी लौटे तो स्थानीय लोगों को उनके व्यवहार और उनसे बचाव के तरीकों की जानकारी नहीं थी। इसके विपरीत केरल जैसे राज्यों में पीढ़ियों से हाथियों के साथ रहने की समझ विकसित हुई है। छत्तीसगढ़ को भी यही सीखना होगा। हाथी लंबी दूरी तय करने वाला जीव है। उसका विचरण क्षेत्र सैकड़ों किलोमीटर में हो सकता है। वह एक बड़े जंगल से दूसरे जंगल तक जिन रास्तों से आता-जाता है, वही कॉरिडोर हैं।

छत्तीसगढ़ में 4 दिन भारी बारिश का अलर्ट: उत्तर हिस्से के जिले भीगेंगे, गरज-चमक के साथ बिजली गिरने का भी खतरा

रायपुर। छत्तीसगढ़ में आज कई जगह हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। मौसम विभाग के मुताबिक कुछ जगहों पर भारी बारिश के साथ गरज-चमक और बिजली गिरने की संभावना है। पिछले 24 घंटे में भी प्रदेश के कई हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश हुई, जबकि बिलासपुर जिले में कुछ जगह भारी बारिश रिकॉर्ड की गई।

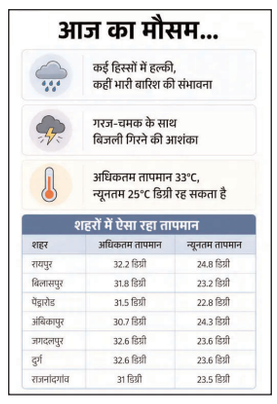

अगले 2 दिन कई जगह हल्की से मध्यम बारिश का दौर जारी रह सकता है। इस दौरान कुछ स्थानों पर भारी बारिश, गरज-चमक और बिजली गिरने की संभावना है। उत्तर छत्तीसगढ़ में अगले 4 दिन तक मध्यम से भारी बारिश का दौर जारी रह सकता है।

Vastu Guruji
BEST PLACE FOR VASTU REMEDY

BUY NOW >
CALL 9770888888

वास्तु गुरुजी सिकंदर राणा जी के अनुसार आज का राशिफल

मो.नं. : 9770888888

मेष। आज का दिन आपके आत्मविश्वास और साहस को नई ऊंचाइयों तक ले जाने वाला रहेगा। लंबे समय से जिन कार्यों को शुरू करने में संकोच महसूस कर रहे थे, उनमें आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत और नेतृत्व क्षमता की सराहना होगी, जिससे वरिष्ठ अधिकारियों का विश्वास बढ़ेगा। करियर से जुड़े नए प्रस्ताव या जिम्मेदारियां मिल सकती हैं।

वृषभ। आज का दिन आर्थिक स्थिरता और पारिवारिक सुख-सौहार्द लेकर आएगा। निवेश और बचत के मामलों में स्थिति सामान्य लेकिन संतोषजनक बनी रहेगी। यदि आप किसी नई निवेश योजना पर विचार कर रहे हैं तो अनुभवी व्यक्ति की सलाह लेना लाभकारी रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपके व्यवहार और धैर्य की प्रशंसा होगी। सहकर्मियों के साथ बेहतर तालमेल स्थापित होगा।

मिथुन। आज का दिन आपके लिए उपलब्धियों और प्रगति का संकेत लेकर आया है। कार्यक्षेत्र में लंबे समय से चल रहे प्रयासों का सकारात्मक परिणाम मिल सकता है। अधिकारियों और सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा, जिससे महत्वपूर्ण कार्य समय पर पूरे होंगे। व्यापारियों के लिए दिन लाभदायक रहेगा और धन लाभ के प्रबल योग बन रहे हैं।

कर्क। आज आपको भावनाओं की बजाय व्यावहारिक सोच के साथ आगे बढ़ने की आवश्यकता है। कई बार भावुक होकर लिए गए निर्णय नुकसान पहुंचा सकते हैं, इसलिए हर परिस्थिति का शांत मन से विश्लेषण करें। कार्यक्षेत्र में रुके हुए काम पूरे होने की संभावना है और आपकी मेहनत का सकारात्मक परिणाम प्राप्त होगा। नौकरीपेशा लोगों को वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग मिलेगा, जिससे कार्यों में आसानी होगी।

सिंह। आज का दिन सामाजिक और व्यावसायिक दृष्टि से अनुकूल रहेगा। आपके व्यक्तित्व का प्रभाव लोगों पर सकारात्मक पड़ेगा और सामाजिक मेलजोल बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में अधिकारियों का सहयोग मिलने से महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता प्राप्त होगी। यदि आप किसी नए प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं तो उसमें अच्छी प्रगति देखने को मिलेगी। प्रॉपर्टी से जुड़े मामलों में सफलता मिलने की संभावना है और भूमि या भवन संबंधी योजनाएं आगे बढ़ सकती हैं।

कन्या। आज का दिन करियर और व्यवसाय में नई संभावनाओं का संकेत दे रहा है। लंबे समय से जिस अवसर की प्रतीक्षा कर रहे थे, वह आपके सामने आ सकता है। नौकरीपेशा लोगों को पदोन्नति या नई जिम्मेदारियां मिलने के संकेत हैं। व्यापार में अच्छा मुनाफा होने की संभावना है और नई योजनाएं लाभदायक साबित हो सकती हैं। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी तथा आय में वृद्धि के योग बनेंगे।

तुला। आज का दिन आर्थिक मामलों में संतुलन और सफलता लेकर आएगा। आपकी आर्थिक गतिविधियां व्यवस्थित रहेंगी और धन प्रबंधन बेहतर होगा। प्रॉपर्टी से संबंधित कोई बड़ी डील होने की संभावना है, जिससे भविष्य में अच्छा लाभ मिल सकता है। कार्यक्षेत्र में आपकी कार्यशैली की सराहना होगी और वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा।

वृश्चिक। आज का दिन आर्थिक उन्नति और नई योजनाओं के लिए अनुकूल रहेगा। आय के नए स्रोत बनने की संभावना है, जिससे आर्थिक स्थिति पहले से अधिक मजबूत होगी। कार्यक्षेत्र में आपकी प्रतिभा और मेहनत की सराहना होगी। करियर को लेकर नई योजनाएं बना सकते हैं, जो भविष्य में लाभदायक साबित होंगी। व्यापारियों को नए ग्राहकों और अवसरों का लाभ मिल सकता है। परिवार में सहयोग और सामंजस्य बना रहेगा।

धनु। आज आपका आत्मविश्वास मजबूत रहेगा और हर कार्य को पूरे उत्साह के साथ पूरा करने का प्रयास करेंगे। कार्यक्षेत्र में गति आएगी और रुके हुए कार्य आगे बढ़ेंगे। वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग मिलेगा, जिससे महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों को निभाने में सफलता मिलेगी। व्यापारियों के लिए भी दिन लाभदायक रहेगा। परिवार का सहयोग आपके मनोबल को बढ़ाएगा और घरेलू वातावरण सुखद बना रहेगा। आर्थिक स्थिति संतोषजनक रहेगी तथा आय और खर्च के बीच संतुलन बना रहेगा।

मकर। आज का दिन नई जिम्मेदारियों और उपलब्धियों का संकेत दे रहा है। कार्यक्षेत्र में आपको कोई महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा जा सकता है, जिससे आपकी क्षमता और नेतृत्व कौशल की परीक्षा होगी। नौकरीपेशा लोगों के लिए पदोन्नति या करियर में प्रगति के योग बन रहे हैं। व्यापार में भी विस्तार की संभावनाएं दिखाई दे रही हैं। आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी और आय के नए स्रोतों पर विचार हो सकता है। परिवार के साथ संबंध मधुर बने रहेंगे और परिजनों का सहयोग मिलेगा।

कुंभ। आज का दिन आर्थिक लाभ और रचनात्मक उपलब्धियों से जुड़ा रहेगा। आपका फंसा हुआ धन वापस मिलने की संभावना है, जिससे आर्थिक राहत महसूस होगी। कला, तकनीक और सॉफ्टवेयर क्षेत्र से जुड़े लोगों को मनपसंद प्रोजेक्ट मिलने के योग हैं। कार्यक्षेत्र में आपकी रचनात्मक सोच की सराहना होगी और नए अवसर प्राप्त हो सकते हैं। व्यापारियों को भी लाभ के संकेत मिल रहे हैं। परिवार में सुखद वातावरण बना रहेगा और परिजनों का सहयोग मिलेगा। विद्यार्थियों के लिए दिन सकारात्मक रहेगा।

मीन। आज का दिन कार्यक्षेत्र में व्यस्तता और उपलब्धियों से भरा रहेगा। कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां आपके सामने आ सकती हैं, जिन्हें आप अपनी मेहनत और समझदारी से पूरा करेंगे। फंसा हुआ पेमेंट वापस मिलने की संभावना है, जिससे आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा। नौकरीपेशा लोगों को अपने कार्यों में सफलता मिलेगी और वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा। व्यापारियों के लिए भी लाभ के संकेत हैं। यात्रा के योग बन सकते हैं, जो व्यवसायिक या पारिवारिक कारणों से हो सकती है। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी और प्रियजनों का सहयोग मिलेगा। विद्यार्थियों को पढ़ाई में अच्छे परिणाम प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयास करते रहना चाहिए।

ट्रैफिक नियम तोड़ने से हादसे का जिम्मेदार नहीं मान सकते

हाईकोर्ट ने 18 साल पहले सड़क हादसे में घायल दो लोगों की मुआवजा राशि 24 गुना तक बढ़ाई

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने 2008 के सड़क हादसे में घायल दो पीड़ितों को बड़ी राहत देते हुए मुआवजा करीब 24 गुना बढ़ा दिया। चीफ जस्टिस एमएस सोनक की अदालत ने मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण के आदेश को खारिज करते हुए विकास कुमार केसरी का मुआवजा 67,500 रुपए से बढ़ाकर 16.50 लाख रुपए और यशोदा देवी का 37,600 रुपए से बढ़ाकर 11.25 लाख रुपए कर दिया।

दोनों को दावा याचिका दाखिल करने की तारीख से भुगतान तक 7.5% सालाना ब्याज भी मिलेगा। कोर्ट ने कहा कि मोटरसाइकिल पर तीन लोगों के बैठने के आधार पर मुआवजे में 50% कटौती नहीं की जा सकती। इसके लिए यह साबित करना जरूरी है कि तीन सवारी होने और हादसे के बीच सीधा संबंध था या इससे चोट की गंभीरता बढ़ी। केवल ट्रैफिक नियम तोड़ने से

घायल को हादसे के लिए जिम्मेदार नहीं माना जा सकता। बीमा कंपनी ऐसा संबंध साबित नहीं कर सकी। उसे छह सप्ताह में मुआवजा राशि जमा करने का निर्देश दिया गया

वह सबकुछ जो आपके लिए जानना जरुरी है

18 साल पहले ट्रैक्टर ने बाइक को मारी थी टक्कर: घटना 8 अक्टूबर 2008 की है। विकास कुमार केशरी, यशोदा देवी और एक अन्य व्यक्ति बाइक से जा रहे थे। इसी दौरान ट्रैक्टर ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हुए। विकास के दाहिने घुटने में स्थायी जकड़न, पैर छोटा होने और दृष्टि संबंधी परेशानी हुई। मेडिकल रिपोर्ट में दिव्यांगता 60% थी। दोनों का करीब एक साल इलाज चला।

ट्रिब्यूनल ने लापरवाही मानते हुए 50% मुआवजा काटा: अधिकरण ने बाइक पर तीन लोगों के सवार होने को अंशदायी लापरवाही मान मुआवजे में 50% कटौती की थी। हाईकोर्ट ने कहा कि आय का दस्तावेजी प्रमाण नहीं होने से घायल की बताई आय को पूरी तरह खारिज नहीं किया जा सकता। अदालत ने विकास की मासिक आय 6,500 व यशोदा की 5,500 रुपए मानी। दोनों की भविष्य की आय में 40% वृद्धि भी जोड़ी। शरीर की चोट नहीं, कमाने की क्षमता भी देखेगा कोर्ट: कोर्ट ने कहा कि दिव्यांगता तय करते समय केवल मेडिकल रिपोर्ट में दर्ज प्रतिशत देखना पर्याप्त नहीं है। चोट से व्यक्ति की कमाने की क्षमता कितनी प्रभावित हुई, यह भी देखना होगा। विकास की मेडिकल दिव्यांगता 60% थी, लेकिन कार्यात्मक दिव्यांगता 70% मानी गई। यशोदा की कार्यात्मक दिव्यांगता 60% मानी गई।

बाइक पर तीन सवारी बैठाने पर मुआवजे में कटौती नहीं हो सकती

मोटरसाइकिल पर तीन सवारी बैठना मोटर वाहन नियमों का उल्लंघन हो सकता है, लेकिन इससे मुआवजे में कटौती नहीं की जा सकती। बीमा कंपनी को यह साबित करना होगा कि तीन सवारी होने के कारण हादसा हुआ या चोट की गंभीरता बढ़ी। अगर साबित नहीं हो पाया तो मुआवजा देने से इनकार नहीं किया जा सकता।

सिविल सेवा पीटी व बैकलॉग परीक्षाएं रद्द होंगी: सीएम: झारखंड विधानसभा का मानसून सत्र एक दिन पहले स्थगित... उधर, संसद में भी धक्का-मुक्की

रांची। छात्र आंदोलन पर हो रहे हंगामे के कारण विधानसभा का मानसून सत्र निर्धारित अवधि से एक दिन पहले मंगलवार को ही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो गया। सत्र के अंतिम दिन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा- सरकार 14वीं सिविल सेवा पीटी और बैकलॉग परीक्षाओं को रद्द करने को तैयार है। टीडीपीएल द्वारा ली गई परीक्षाओं की जांच होगी। जिन परीक्षाओं पर विवाद है, सबकी जांच होगी। रिफॉर्म का काम चल रहा है। परीक्षा में सुधार के लिए सरकार आईआईटी-आईआईएम जैसे संस्थानों की मदद लेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जेपीएससी और जेएसएससी में सुधार को लेकर सरकार ने जो सुझाव दिए हैं, उस पर आंदोलनकारी छात्र भी सहमत हैं। सरकार का उद्देश्य भर्ती परीक्षाओं की प्रक्रिया में सुधार करना है। युवाओं के हितों की रक्षा करनी है। उन्होंने कहा कि सरकार छात्रों के

भविष्य को लेकर गंभीर है, जबकि विपक्ष सिर्फ राजनीति चमकाने में लगा है। हम काम को अंजाम तक न पहुंचा पाएं, इसके लिए विपक्ष पूरी ताकत से ?लगा है। लेकिन ये लोग हल्ला करते रहें, हम अपना काम करते रहेंगे। भैंस के आगे बीन बजाने का फायदा नहीं होने वाला है। हमें अपना काम करते जाना है। सीएम ने सदन में पूछा कि यह टीडीपीएल कंपनी कहां की है? फिर कहा-यह यूपी के लखनऊ की है। वहीं से साजिश रचकर बिहार ओर यूपी के लोगों के साथ मिलकर झारखंड के युवाओं को दिग्भ्रमित किया जा रहा है।

भाजपा विधायक सीपी सिंह ने 50 हजार के नोटों के बंडल सदन में लहराते हुए कहा, इसी के बल पर सरकार ने जेपीएससी और जेएसएससी की सीटें बेची हैं। और सीटें बची हों तो इसे एडवांस के तौर पर स्वीकार करें। इसके बाद हंगामा चरम पर पहुंच गया। सीएम ने कहा-व्यापारियों की जमात से आने वाले इस समूह के हर व्यक्ति की जेब में नोटों के बंडल भरे पड़े हैं। इसी के बल पर ये लोकतंत्र को खरीदना चाहते हैं। इनके घरों पर छापा मारा जाए तो नोटों के ऐसे कई बंडल मिल जाएंगे। मंदिर तक को इन्होंने नहीं छोड़ा है।

परजीवी भाजपा ने छात्रों के आंदोलन को अपना राजनीतिक मंच बनाया

मंगलवार को सदन की कार्यवाही शुरू होते ही जोरदार हंगामा शुरू हो गया। प्रश्नकाल नहीं चला। पक्ष-विपक्ष दोनों वेल में आ गए। नारेबाजी शुरू हो गई। सिर्फ 11 मिनट बाद ही सदन दोपहर 12 बजे तक के ?स्थगित कर दी गई। दोपहर 12:03 बजे सदन की कार्यवाही फिर शुरू हुई, लेकिन 12:10 बजे कार्यवाही फिर स्थगित हो गई। दूसरी पाली में भी हंगामा हुआ। इसके बाद मुख्यमंत्री ने छात्र आंदोलन पर सरकार का पक्ष रखना शुरू किया।

उन्होंने कहा कि भाजपा परजीवी है। उसने छात्रों के आंदोलन को अपना राजनीतिक मंच बनाने की कोशिश की है। पहले गेरूआ और अब छात्रों का चोला पहनकर दिग्भ्रमित करने में लगे हैं। छात्रों की आड़ में ये अपनी शक्ति का प्रदर्शन कर रहे हैं। पर, छात्रों की बात छात्रों के साथ होगी। उन्हें न्याय मिल कर रहेगा। मुख्यमंत्री ने करीब 15 मिनट बात रखी। इस दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों वेल में एक-दूसरे के खिलाफ नारे लगाते रहे।

झारखंड में अगले 2 दिन भारी बारिश; ऑरेंज अलर्ट: रांची समेत 17 जिलों में बरसेंगे बादल

रांची। बंगाल की खाड़ी में बने निम्न दबाव के कारण झारखंड में अगले कुछ दिनों तक बारिश का दौर जारी रहने वाला है। मौसम विज्ञान केंद्र ने अगले दो दिनों के लिए राज्य के 17 जिलों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। 12 और 13 अगस्त को सिमडेगा, पश्चिमी सिंहभूम, पूर्वी सिंहभूम और सरायकेला-खरसावां में भारी बारिश की संभावना है, जबकि अन्य जिलों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है।

14 अगस्त को रांची, खूंटी, लातेहार, लोहरदगा, गुमला, सिमडेगा, पश्चिमी सिंहभूम, पूर्वी सिंहभूम और सरायकेला-खरसावां में वज्रपात के साथ भारी बारिश की चेतावनी दी गई है। 15 अगस्त को रांची, रामगढ़, खूंटी, हजारीबाग, चतरा, पलामू, गढ़वा, लातेहार, लोहरदगा और गुमला में भारी बारिश व वज्रपात का यलो अलर्ट रहेगा। अन्य जिलों में आसमान में बादल छाए रहने और हल्की बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार 15 अगस्त तक राज्य के कई हिस्सों में मध्यम से भारी बारिश और वज्रपात का असर देखने को मिल सकता है।

इधर, मंगलवार को राजधानी में दोपहर तक तेज धूप और उमस के बाद मौसम ने अचानक करवट ली। शाम करीब 4 बजे रांची समेत कई इलाकों में मूसलाधार बारिश शुरू हुई।

मानसून सत्र विधानसभा में सीएजी की 5 रिपोर्ट पेश:झारखंड में ओडीएफ दावों की पोल खुली, 48% घरों में शौचालय नहीं

रांची। विधानसभा के मानसून सत्र के अंतिम दिन मंगलवार को वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने भारत के नियं?त्रक महालेखा परीक्षक (सीएजी) की पांच रिपोर्ट सदन में पेश की। इन रिपोर्ट में जल-जीवन मिशन, मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना की कई गड़बड़ियों का खुलासा किया गया है। रिपोर्ट में ओडीएफ व्यवस्था के दावे की भी पोल खुल गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि दिसंबर 2018 में झारखंड ने पूरे राज्य को खुले में शौच से मुक्त (ओडीएफ) घोषित किया था। लेकिन अगस्त से दिसंबर 2024 के दौरान ऑडिट में पता चला कि 48% आवास में शौचालय

नहीं है। यही नहीं, प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के 8% घरों में भी शौचालय नहीं था।

रिपोर्ट पेश होने के बाद राज्य की प्रधान महालेखाकार (ऑडिट) इंदु अग्रवाल ने इसकी विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट में योजनाओं के अधूरे कार्य, उपयोग प्रमाण पत्र लंबित रहने और वित्तीय प्रबंधन से जुड़ी कमियों को उजागर किया गया है। राज्य सरकार ने 31 मार्च 2025 की अवधि में 1.60 लाख करोड़ खर्च का उपयोगिता प्रमाण नहीं दिया है। खर्च के लिए निकाली गयी अग्रिम राशि (एसी बिल) के भी खर्च का पूरा ब्योरा (डीसी बिल) नहीं दिया है।

आधा दर्जन मौकों पर सदस्यों ने जताई थी असहमति: जेपीएससी... सदस्यों की आपत्ति के बाद भी ले लिए गए आधा दर्जन फैसले

रांची। झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) में परीक्षा और नियुक्ति से जुड़े महत्वपूर्ण फैसलों को लेकर आयोग के अंदर ही कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठ रहे थे। निवर्तमान अध्यक्ष एल. ख्यांगते के कार्यकाल में कई प्रस्तावों पर आयोग के सदस्यों ने आपत्ति दर्ज कराई थी, जिसके बाद भी निर्णय आगे बढ़ते रहे। जब आयोग के भीतर ही परीक्षा प्रक्रिया या परिणाम को लेकर सदस्यों के बीच मतभेद हों तो अंतिम निर्णय पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

आयोग सूत्रों के अनुसार, निवर्तमान अध्यक्ष के कार्यकाल में करीब 30 आयोग की बैठकें हुई हैं। इनमें लगभग आधा दर्जन

ऐसे मौके रहे हैं, जब दो या तीनों सदस्यों ने प्रस्ताव या निर्णय पर आपत्ति जताई थी। इसके बावजूद संबंधित प्रस्तावों पर निर्णय लिया गया।

मुख्य फैसले- जिन पर सदस्यों ने जताई थी असहमति, कंप्यूटर स्क्रीन पर उत्तर पुस्तिकाओं की जांच भर्ती परीक्षाओं में कंप्यूटर आधारित मूल्यांकन लागू करने के फैसले पर सदस्यों ने आपत्ति जताई। उनका तर्क था कि कई परीक्षक डिजिटल मूल्यांकन में दक्ष नहीं हैं। इसके बावजूद प्रक्रिया आगे बढ़ाई गई।

एक दिन में 25 की जगह 50 कॉपियां जांचने का फैसला : एक परीक्षक के लिए प्रतिदिन उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या 25 से बढ़ाकर 50 कर दी गई। करीब 42 पेज की एक कॉपी के हिसाब से रोज 2,100 पेज जांचने पड़ते। सदस्यों ने गुणवत्ता पर सवाल उठाए। सदस्यों की आपत्ति थी कि बड़ी संख्या में कॉपियों का मूल्यांकन करने पर गुणवत्ता और शुद्धता कैसे सुनिश्चित होगी?

14वीं सिविल सेवा पीटी रिजल्ट पर तीनों सदस्यों ने जताई थी आपत्ति : तीनों सदस्यों ने एजेंसी के तैयार परिणाम पर असंतोष जताया।

सोडूको प्रश्न (उत्तर अगले अंक में प्रकाशित होगा)

	9				6	1		
7	1			9			2	8
		8					4	9
	6		2	5				1
5				6	9		7	
1	2					8		
9	8			4			5	2
		5	6				1	

पिछले अंक का उत्तर

6	5	7	9	4	1	2	3	8
1	2	3	6	5	8	9	4	7
8	9	4	2	3	7	6	5	1
7	6	5	1	2	3	4	8	9
2	3	1	8	9	4	5	7	6
9	4	8	7	6	5	1	2	3
5	1	2	3	7	6	8	9	4
3	8	9	4	1	2	7	6	5
4	7	6	5	8	9	3	1	2

चौखट पर हमारी तुम्हारी
आने की आहट के इशारे पास आए हैं।
मुश्किलों के बाद आये सही वो
मंज़र और नज़ारे पास आए हैं।।
खूयालों से नहीं जाते निकाले चर्चे समायत के,
कि गिरते संभलते हम खुद ही खुद में हारे पास आए हैं।।

बरियातू रांची फाइनल में,15 अगस्त को सरगुजा एफसी से होगा मुकाबला

सिमडेगा। 27वां वीर शहीद थॉमस सोरेंग अंतरराज्यीय फुटबॉल टूर्नामेंट-2026 के तहत मंगलवार को अल्बर्ट एक्का स्टेडियम में रोमांचक सेमीफाइनल मुकाबला खेला गया। सेमीफाइनल में फ्रेंड्स क्लब झारसुगुड़ा और राजा स्पोर्ट्स बरियातू,रांची की टीमें आमने-सामने थीं। कड़े मुकाबले में राजा स्पोर्ट्स बरियातू की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एक गोल की बढ़त से जीत दर्ज की और फाइनल में अपना स्थान पक्का कर लिया। मुकाबले की शुरुआत से ही दोनों टीमों के खिलाड़ियों के बीच जोरदार टक्कर देखने को मिली। खिलाड़ियों ने बेहतर तालमेल और आक्रमण के साथ गोल करने के कई प्रयास किए। हालांकि बरियातू रांची की टीम ने मिले मौके का फायदा उठाते हुए निर्णायक गोल दाग दिया।इसके बाद झारसुगुड़ा की टीम ने बराबरी की पूरी कोशिश की,लेकिन बरियातू के खिलाड़ियों ने मजबूत रक्षात्मक खेल का प्रदर्शन करते हुए अपनी बढ़त कायम रखी।

भारत और अफगानिस्तान के बीच 3 टी-20 मैच खेले जाएंगे:13, 15 और 17 सितंबर को नई दिल्ली में सभी मुकाबले; बांग्लादेश सीरीज संकट में

भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन मैचों की टी-20 सीरीज खेली जाएगी। क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार, अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने टी-20 सीरीज की तारीखों को कन्फर्म किया है। मुकाबले 13, 15 और 17 सितंबर को नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले जाएंगे।

बोर्ड ने 10 अगस्त को भेजे लेटर में कहा कि **BCCI** ने तारीखों पर सहमति दी है। इस सीरीज के साथ ही भारत के बांग्लादेश दौरा की संभावना लगभग खत्म हो गई है।

सीरीज को लेकर **BCCI** या अफगानिस्तान बोर्ड से कन्फर्मेशन आना बाकी है। यह पहली बार होगा कि अफगानिस्तान बाइलेटरल सीरीज में आधिकारिक तौर पर भारत की मेजबानी करेगा।

बोर्ड ने मीडिया राइट्स होल्डर्स से अपनी एडवांस प्लानिंग, शेड्यूलिंग, प्रोडक्शन अरेंजमेंट, प्रमोशनल एक्टिविटीज और दूसरी तैयारियां शुरू करने को कहा है।

दो साल से टल रहा भारत का बांग्लादेश दौरा

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने भारत के साथ 6 मैचों के लिए 1 से 13 सितंबर की तारीखें तय की थी। इनमें 3 टी-20 और 3 वनडे मैच खेले जाने थे। बोर्ड प्रेसिडेंट तमीम इकबाल ने कहा था कि हमने सरकार से कहा है कि भारत से बात करे।

तमीम ने विदेश मंत्रालय जाकर सुरक्षा की गारंटी मांगी थी। हालांकि बांग्लादेश सरकार या **BCCI** की ओर से इसपर कोई स्टेटमेंट नहीं आया। अब अफगानिस्तान सीरीज का कम से कम एक मैच इस विंडो से टकरा रहा है।

सीरीज 2024 में होनी थी: दौरा पहले 2024 में होना था। इसी दौरान बांग्लादेश में सरकार विरोधी आंदोलन हुआ और सरकार बदली। फिर भारत-बांग्लादेश के बीच तनाव की स्थिति बनी। इसकी वजह से सीरीज टाल दिया गया था। अब सीरीज सितंबर 2026 में कराने की बात चल रही है। हालांकि भारत की तरफ से हरी झंडी नहीं मिली है।

सुरक्षा बड़ा इश्यू: तमीम इकबाल ने बांग्लादेश की विदेश राज्य मंत्री शामा ओबैद इस्लाम से मुलाकात की। उन्होंने सरकार से कहा है कि वे भारत सरकार से बात करें। उन्होंने भरोसा दिलाने को कहा कि बांग्लादेश में टीम इंडिया पूरी तरह सुरक्षित रहेगी।

हालात सुधरते दिखने पर सीरीज संभव: हाल ही में भारत ने बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान को भारत में होने वाले **BRICS** सम्मेलन का न्योता दिया। दोनों देशों के विदेश मंत्रियों की बातचीत भी हुई। इसके बाद सीरीज होने की संभावना बढ़ गई थी।

गणेश चतुर्थी पर मैच कराने की बात चल रही

क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार, अफगानिस्तान बोर्ड ने 14 सितंबर यानी गणेश चतुर्थी के दिन मैच कराने का प्रस्ताव भेजा है। बोर्ड ने **BCCI** से पूछा है कि क्या पहला या दूसरा मैच 14 सितंबर को किया जा सकता है। इससे सीरीज को त्योहार से जोड़ा जा सकेगा।

बिजनेस न्यूज

सेंसेक्स 200 अंक से ज्यादा टूटा, 77,900 पर कारोबार; निफ्टी भी 50 अंक नीचे, रियल्टी-FMCG शेयरों में बिकवाली

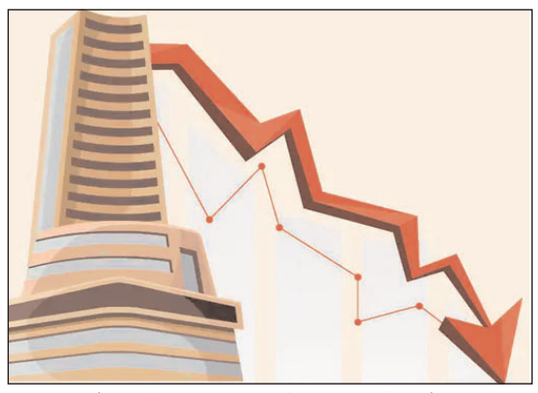

मुंबई। घरेलू शेयर बाजार में बुधवार, 12 अगस्त को गिरावट का माहौल है। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 200 अंक से ज्यादा टूटकर 77,900 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं निफ्टी भी 50 अंक से ज्यादा की गिरावट के साथ 24,400 के स्तर पर पहुंच गया है। बाजार में निवेशकों की सतर्कता के बीच रियल्टी और स्वस्थ्य शेयरों में सबसे ज्यादा बिकवाली देखने को मिल रही है। शुरुआती कारोबार में रियल्टी सेक्टर के शेयरों पर दबाव बना हुआ है। इसके अलावा **FMCG** कंपनियों के शेयरों में भी निवेशकों ने बिकवाली की। प्रमुख सूचकांकों में लगातार कमजोरी के चलते बाजार में मुनाफावसूली का असर दिखाई दे रहा है। निवेशक फिलहाल घरेलू और वैश्विक आर्थिक संकेतों के साथ कंपनियों के प्रदर्शन पर नजर बनाए हुए हैं।

बाजार विशेषज्ञों के मुताबिक, मौजूदा परिस्थितियों में निवेशकों का रुख सतर्क है। वैश्विक बाजारों की चाल, विदेशी निवेशकों की खरीद-बिक्री, कच्चे तेल की कीमतों और ब्याज दरों से जुड़े संकेत आने वाले कारोबार में बाजार की दिशा को प्रभावित कर सकते हैं। ऐसे में निवेशकों को किसी भी बड़े फैसले से पहले कंपनियों के वित्तीय प्रदर्शन और मूल्यांकन पर ध्यान देने की सलाह दी जा रही है। प्राथमिक बाजार में मोलबायो डायग्नोस्टिक्सऔर धूत ट्रांसमिशन के आईपीओ में निवेश का आज आखिरी दिन है। मोलबायो डायग्नोस्टिक्स आईपीओ के जरिए 939.70 करोड़ रुपये, जबकि धूत ट्रांसमिशन आईपीओ के जरिए 3,066.89 करोड़ रुपयेजुटाने की योजना बना रही है।

10 और 20 रुपए के प्लास्टिक नोटों को मंजूरी: वित्त मंत्री बोलीं- ट्रायल में दोनों के 100-100 करोड़ नोट छपेंगे, ये 30 साल तक चलेंगे

सरकार ने 10 और 20 रुपए के पॉलीमर बैंक नोट के फील्ड ट्रायल को मंजूरी दे दी है। दोनों के 100-100 करोड़ पॉलीमर यानी प्लास्टिक नोट जारी किए जाएंगे। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को राज्यसभा में लिखित जवाब में यह जानकारी दी।

RBI ने 10 और 20 रुपए के 100-100 करोड़ पॉलीमर नोटों के फील्ड ट्रायल का प्रस्ताव दिया था। ट्रायल सफल होने के बाद इन दोनों के पॉलीमर नोट नियमित रूप से जारी किए जाएंगे।

वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार ने प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। **RBI** के मुताबिक पॉलीमर नोट कागज से बने नोटों के साथ जारी किए जाएंगे।

पॉलीमर नोट क्या होते हैं और सरकार इन्हें क्यों ला रही?

पॉलीमर बैंकनोट्स कागज के बजाय एक खास किस्म के प्लास्टिक मटेरियल यानी पॉलीमर सबस्ट्रेट पर छापे जाते हैं। ये छूने में तो सामान्य नोटों जैसे ही हल्के होते हैं, लेकिन पानी में भीगने पर भी नहीं गलते और लंबे समय तक चलते हैं।

RBI गवर्नर संजय मल्होत्रा ने हाल ही में बताया था कि ये नोट दुनिया के कई देशों जैसे ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और कनाडा में पॉलीमर करेंसी नोट 30 साल से भी अधिक समय तक सफलतापूर्वक उपयोग में रहे हैं। इन्हें लाने की मुख्य वजहें-

लंबी उम्र: ये नोट पानी, धूल और गंदगी से खराब नहीं होते और आसानी से फटते भी नहीं हैं।

नकली नोटों पर लगाम: पॉलीमर शीट पर एडवांस सिक्योरिटी फीचर्स आसानी से जोड़े जा सकते हैं, जिससे नकली नोट बनाना लगभग नामुमकिन हो जाएगा।

छपाई खर्च में बचत: कागजी नोट जल्दी खराब होते हैं, जिससे छपाई का खर्च बढ़ता है। **FY25** में आरबीआई ने कागजी नोटों की छपाई पर ?6,372.8 करोड़ खर्च किए थे। पॉलीमर नोट लंबे चलेंगे, जिससे बार-बार छापने का खर्च घटेगा।

कामधेनू
वास्तु शास्त्र में, कामधेनु को शक्ति व ऊर्जा को बढ़ाने के लिए एक प्रतीक या वस्तु के रूप में उपयोग किया जाता है। यहां वास्तु शास्त्र में कामधेनु का उपयोग कैसे किया जा सकता है, उसके कुछ तरीके हैं :-
1. स्थान : अपने घर या कार्यालय के उत्तर-पूर्व दिशा में कामधेनु की मूर्ति या चित्र रखें। यह मान्यता है कि इससे सकारात्मक ऊर्जा का आमंत्रण होता है और इससे सौभाग्य और अनुकूलता बढ़ती है।
2. पूजा कक्ष : अपने पूजा कक्ष में एक छोटी सी कामधेनु मूर्ति या चित्र रखें। मान्यता है कि इससे धार्मिक रीति व पूजा के दौरान आशीर्वाद और सकारात्मक ऊर्जा आती है।
3. धन कोण : यदि आप वास्तु शास्त्र में धन कोण की संकल्पना का पालन करते है, तो अपने धन कोण के नजदीक कामधेनु रखने से वित्तीय समृद्धि और सौभाग्य आकर्षित हो सकते हैं।
4. उपहार : कामधेनु घर की गृहप्रवेश या किसी नए व्यापार की शुरुआत में एक आदर्श उपहार हो सकती है।
ध्यान दें, वास्तु शास्त्र एक कई सिद्धांतों का समन्वय है, और कामधेनु उनमें से केवल एक तत्व है। अपनी विशेष आवश्यकताओं और स्थान के आधार पर वास्तु विशेषज्ञ से परामर्श करना बेहतर होगा।
Vastu Guruji
www.vastuguruji.com
RAJ BHAWAN ROAD, CIVIL LINES, RAIPUR (C.G.) 492001

भोपाल में हुई अस्मिता लीग में चमके छत्तीसगढ़ के एथलीट्स: छह कैटेगरी में जीते 6 पदक, इनमें 2 रजत और 4 कांस्य

रायपुर। भोपाल में 8 से 10 अगस्त तक हुई अस्मिता नेशनल कयाकिंग एंड कैनोइंग प्रतियोगिता 2026 में छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों ने 6 पदक जीते। इनमें 2 रजत और 4 कांस्य पदक शामिल हैं। खिलाड़ियों के प्रदर्शन से छत्तीसगढ़ का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन हुआ।

प्रतियोगिता में कौशल नंदनी ने महिला वर्ग में 1000 मीटर और 500 मीटर स्पर्धा में रजत पदक जीते। वहीं राधा डांगी और वंशिका ने जूनियर महिला वर्ग में कांस्य पदक हासिल किए। स्वाति साहू ने 200 मीटर महिला स्पर्धा में कांस्य पदक जीता।

जूनियर महिला वर्ग में गार्गी एस. रघुवंशी और कृष्णा कचरे ने भी पदक अपने नाम किए। छत्तीसगढ़ प्रदेश कयाकिंग एंड कैनोइंग संघ के अध्यक्ष बलदेव सिंह भाटिया, सचिव अभिजीत मिश्रा और संयुक्त सचिव प्रशांत सिंह रघुवंशी ने खिलाड़ियों को बधाई दी।

कोच पिंकी साहू और अशोक साहू ने भी खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए उन्हें आगे की प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएं दीं।

फुटबॉलर रोनाल्डो ने गर्लफ्रेंड जॉर्जिना से शादी की:10 साल से डेट कर रहे थे, पिछले साल सगाई की थी; दोनों के 4 बच्चे हैं

फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने पुर्तगाल में अपनी गर्लफ्रेंड जॉर्जिना रोड्रिग्ज से शादी कर ली है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों ने मंगलवार को कोर्ट मैरिज की।

रोनाल्डो और जॉर्जिना 2016 में मैड्रिड में मिले थे। दोनों तभी से साथ हैं। दोनों के साथ चार बच्चे हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर अंगूठियां पहने हुए फोटो भी शेयर की है।

रोनाल्डो और जॉर्जिना ने आज से ठीक एक साल पहले 12 अगस्त 2025 को सगाई की थी। उस वक्त जॉर्जिना ने इंस्टाग्राम पर एंगेजमेंट रिंग की फोटो शेयर की थी और कैप्शन में लिखा था, 'हां, मैं आपसे प्यार करती हूं। इस जिंदगी और आने वाली हर जिंदगी में।'

रोनाल्डो और जॉर्जिना 10 साल से डेट कर रहे हैं। दोनों ने 2017 की शुरुआत में अपने रिश्ते की पुष्टि की थी और ज्यूरिख में फीफा फुटबॉल अवार्ड्स में पहली बार एक साथ दिखाई दिए थे।

IPL क्रिकेटर अभिषेक पोरेल रेप के आरोप में गिरफ्तार: मेडिकल छात्रा की शिकायत पर कार्रवाई

IPL में दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेलने वाले बंगाल के क्रिकेटर अभिषेक पोरेल को रेप केस में गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तारी मंगलवार को कोलकाता में हुई। यह मामला एक मेडिकल छात्रा की शिकायत पर दर्ज हुआ था, जिसमें पोरेल पर रेप, धमकी और अन्य आरोप लगाए गए हैं। पीड़ित ने जून में शिकायत दर्ज कराई थी।

23 साल के अभिषेक विकेटकीपर बैटर हैं। वे बंगाल के लिए 116 और **IPL** टीम दिल्ली कैपिटल्स के लिए 35 मैच खेल चुके हैं। दिल्ली ने उन्हें 4 करोड़ रुपए में रीटेन किया था।

कलकत्ता हाईकोर्ट ने गिरफ्तारी का आदेश दिया

मामला कलकत्ता हाईकोर्ट में चल रहा था। कोर्ट ने 20 जुलाई को गिरफ्तारी का आदेश दिया था। साथ ही आरोपी के इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस जब्त करने के आदेश भी दिए गए थे। अभिषेक सभी आरोपों से इनकार करते आए हैं।

महिला ने तीन साल से संबंध होने का दावा किया

शिकायत के मुताबिक, महिला ने कहा कि वह और अभिषेक पिछले तीन साल से रिश्ते में थे। पिछले साल दोनों के बीच मतभेद शुरू हुए, जिसके बाद क्रिकेटर कथित तौर पर उससे दूरी बनाने लगा। महिला ने आरोप लगाया कि अभिषेक ने उससे शादी करने का वादा किया था, लेकिन अब वह शादी के लिए तैयार नहीं है। शिकायत में उसने कहा कि अभिषेक ने शादी का वादा करके उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए।

2023 से दिल्ली कैपिटल्स का हिस्सा हैं

बाएं हाथ के टॉप ऑर्डर बल्लेबाज अभिषेक पोरेल 2023 से डुक्कर में दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेल रहे हैं। पिछले सीजन में उन्होंने दिल्ली कैपिटल्स के लिए चार पारियों में 108 रन बनाए थे।

वैभव सूर्यवंशी नेट्स में डिफेंस की प्रैक्टिस करते दिखे : दलीप ट्रॉफी में ईस्ट जोन के लिए खेलेंगे

वैभव सूर्यवंशी ने दलीप ट्रॉफी की तैयारी शुरू कर दी है। वे नागपुर में राजस्थान रॉयल्स के कैंप में रेड बॉल क्रिकेट की प्रैक्टिस कर रहे हैं। उन्होंने मंगलवार को ट्रेनिंग का वीडियो शेयर किया।

इसमें सूर्यवंशी बॉल छोड़ने और डिफेंस करते नजर आए। अटैकिंग शॉट्स पर भी काम किया। पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने सिर्फ प्रिपरेशन लिखा।

15 साल की उम्र में इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू करने वाले वैभव दलीप ट्रॉफी में ईस्ट जोन की ओर से खेलेंगे। वैभव को टीम का वाइस-कैप्टन बनाया गया है।

23 अगस्त को उनका मैच नॉर्थ-ईस्ट जोन से है। विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन टीम की कप्तानी करेंगे।

जिम्बाब्वे के खिलाफ टी-20 सीरीज खत्म होने के बाद वैभव ने अपना फोकस रेड-बॉल क्रिकेट पर कर लिया है। क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक, वे नागपुर में राजस्थान रॉयल्स के परफॉर्मेंस सेंटर में ट्रेनिंग कर रहे हैं। रॉयल्स ने खिलाड़ियों के लिए 10 दिन का ट्रेनिंग कैंप लगाया है।

इस कैंप में वैभव के अलावा तुषार देशपांडे, संदीप शर्मा, शुभम दुबे, रवि सिंह और सुशांत मिश्रा भी शामिल हैं। इनमें वैभव और तुषार दलीप ट्रॉफी में खेलेंगे। तुषार वेस्ट जोन की टीम का हिस्सा होंगे। ईशान किशन (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी (उपकप्तान), अभिमन्यु ईश्वरन, सुदीप घरामी, मोहम्मद शमी, मुकेश कुमार, शाहबाज अहमद, सूरज जायसवाल, विराट सिंह, कुमार कुशाग्र, शिखर मोहन, सुब्रांशु सेनापति, अभिजीत सरकार, अनुकूल रॉय और डेनिश दास।

दलीप ट्रॉफी क्या है?

दलीप ट्रॉफी भारत में खेली जाने वाली घरेलू फर्स्ट-क्लास क्रिकेट प्रतियोगिता है। इसका आयोजन **BCCI** करता है। इसमें भारत के अलग-अलग क्षेत्रों, जैसे ईस्ट जोन, वेस्ट जोन की टीमें आपस में मैच खेलती हैं। यह रेड-बॉल टूर्नामेंट है, जिसका फॉर्मेट टेस्ट क्रिकेट जैसा होता है।

दलीप ट्रॉफी पहली बार 1961-62 के घरेलू सीजन में खेली गई थी। इसके 63 सीजन हो चुके हैं। दलीप ट्रॉफी के इतिहास में वेस्ट जोन सबसे सफल टीम है, जिसने अब तक 19 बार खिताब जीता है।

विश्व प्रसिद्ध ऐतिहासिक बस्तर दशहरा पर्व, पाट जात्रा पूजा विधान के साथ शुरू होगा

पाट जात्रा पूजा विधान के साथ कल से शुरू होगा

75 दिनों तक चलने वाले इस ऐतिहासिक पर्व में निभाई जाएंगी पारंपरिक रस्में, दंतेश्वरी मंदिर प्रांगण में होगा आयोजन

रायपुर। बस्तर की आराध्य देवी मां दंतेश्वरी के मंदिर प्रांगण में कल बुधवार, 12 अगस्त को हरेली अमावस्या के पावन अवसर पर पाट जात्रा पूजा विधान के साथ विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरा पर्व का आगाज होने जा रहा है। इस दौरान पारंपरिक मांझी-चालकी, मेम्बर-मेम्बरीन, पुजारी, पटेल, नाईक-पाईक और सेवादार रथ निर्माण के लिए औजार बनाने की श्ठुरलू खोटलाश् रस्म अदा करेंगे। बस्तर दशहरा समिति ने सभी सेवादारों, ग्रामीणों और गणमान्य नागरिकों को इस पूजा विधान में शामिल होने का आग्रह किया है।

75 दिनों तक चलने वाले बस्तर दशहरा का मुख्य कार्यक्रम जारी किया गया है, जिसके तहत 12 अगस्त बुधवार से पाट जात्रा पूजा विधान दशहरा पर्व का शुभारंभ, 24 सितम्बर गुरूवार को डेरी गड़ाई पूजा विधान, 10 अक्टूबर शनिवार को काछनगादी पूजा विधान, 11 अक्टूबर रविवार को कलश स्थापना पूजा विधान, 12 अक्टूबर सोमवार को जोगी बिठाई पूजा विधान के रस्म का आयोजन किया जाएगा। इसी प्रकार 13 अक्टूबर से 18 अक्टूबर को प्रतिदिन नवरात्रि पूजा एवं रथ परिक्रमा पूजा विधान, 18 अक्टूबर रविवार को सुबह 11 बजे बेल पूजा विधान, 19 अक्टूबर सोमवार को महाअष्टमी पूजा विधान एवं निशा जात्रा पूजा विधान, 20 अक्टूबर मंगलवार को कुंवारी पूजा विधान, जोगी उठाई पूजा विधान एवं मावली परघाव का आयोजन किया जाएगा।

21 अक्टूबर बुधवार को भीतर रैनी पूजा विधान एवं रथ परिक्रमा, 22 अक्टूबर गुरूवार को बाहर रैनी पूजा विधान एवं रथ परिक्रमा, 23 अक्टूबर शुक्रवार को सुबह काछन जात्रा पूजा विधान, दोपहर में ऐतिहासिक मुरिया दरबार का आयोजन किया जाएगा। 24 अक्टूबर शनिवार कुटुम्ब जात्रा पूजा विधान ग्राम्य देवी-देवताओं की विदाई, 27 अक्टूबर मंगलवार मावली माता की डोली की विदाई पूजा विधान के साथ पर्व का औपचारिक समापन किया जाएगा। मां दंतेश्वरी को समर्पित यह 75 दिवसीय दशहरा पर्व अपनी अनूठी लोक-परंपराओं, जनजातीय संस्कृति और भव्य रस्मों के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है।

देशभर के टूर ऑपरेटर्स ने देखा छत्तीसगढ़ का पर्यटन वैभव- फेम ट्रिप से राष्ट्रीय पर्यटन बाजार में बनेगी नई पहचान

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व और पर्यटन मंत्री श्री राजेश अग्रवाल के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ को देश के प्रमुख पर्यटन गंतव्यों में शुमार करने की कोशिशों को लगातार पंख लग रहे हैं। इसी कड़ी में छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल द्वारा 10 से 14 अगस्त तक एक विशेष फेम ट्रिप का आयोजन किया जा रहा है। इस अनुभवात्मक यात्रा में देश के विभिन्न राज्यों से आए 30 प्रमुख टूर ऑपरेटर्स एवं पर्यटन विशेषज्ञ भाग ले रहे हैं।

देशभर के टूर ऑपरेटर्स ने देखा छत्तीसगढ़ का पर्यटन वैभव- फेम ट्रिप से राष्ट्रीय पर्यटन बाजार में बनेगी नई पहचान

इस फेम ट्रिप का मुख्य उद्देश्य पर्यटन प्रतिनिधियों को राज्य के प्राकृतिक सौंदर्य, पुरातात्विक विरासत, स्थानीय लोक-संस्कृति और विश्वस्तरीय आतिथ्य का प्रत्यक्ष अनुभव कराना है, ताकि वे देशभर के पर्यटकों के लिए छत्तीसगढ़ के विशेष और आकर्षक टूर पैकेज तैयार कर सकें।

देशभर के टूर ऑपरेटर्स ने देखा छत्तीसगढ़ का पर्यटन वैभव- फेम ट्रिप से राष्ट्रीय पर्यटन बाजार में बनेगी नई पहचान

बारनवापारा और सिरपुर की विरासत से रूबरू हुए प्रतिनिधि

यात्रा की शुरुआत बारनवापारा स्थित हरेली इको रिजॉर्ट से हुई, जहां प्रतिनिधियों का पारंपरिक छत्तीसगढ़ी अंदाज में स्वागत किया गया।

सशक्त आंगनबाड़ी अभियान' से मजबूत हो रही बच्चों की शैक्षणिक नींव

रायपुर। सशक्त आंगनबाड़ी अभियान छत्तीसगढ़ के ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा और पोषण स्तर को सुधारने की एक पहल है। इसके तहत स्कूलों के शिक्षक सप्ताह में एक दिन आंगनबाड़ी केंद्रों में जाकर 3 से 6 वर्ष के बच्चों को खेल-खेल में अक्षर, गिनती और बालगीत सिखाते हैं। सुकमा जिले में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित 'सशक्त आंगनबाड़ी अभियान' के माध्यम से 3 से 6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को स्कूल शिक्षा के लिए बेहतर ढंग से तैयार किया जा रहा है। कलेक्टर श्री अमित कुमार के मार्गदर्शन में जिले की सभी पांच परियोजनाओं में अभियान की गतिविधियां प्रभावी रूप से संचालित की जा रही हैं।

अभियान के तहत प्रशिक्षण प्राप्त शिक्षक जिले के 1044 आंगनबाड़ी केंद्रों में सप्ताह में एक दिन एक घंटे तक विशेष शैक्षणिक गतिविधियां कराते हैं। प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षक भी आंगनबाड़ी केंद्रों में पहुंचकर बच्चों को खेल, कहानी, बालगीत, अक्षर ज्ञान, गिनती और रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से सीखने का अवसर देते हैं। इससे बच्चों में सीखने की रुचि, आत्मविश्वास और सहभागिता बढ़ रही है।

उन्नत मक्का बीज और कृषि सहायता से संवरी कृषक शुभम दुबे की राह

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन का कमाल

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा किसानों की आय बढ़ाने, खेती की लागत कम करने और मोटे अनाजों के उत्पादन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लगातार प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। कृषि विभाग द्वारा चलाए जा रहे राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं पोषण मिशन के तहत राज्य के कृषकों को उन्नत कृषि तकनीक, गुणवत्तापूर्ण बीज और आवश्यक कृषि आदान (उर्वरक व दवाएं) उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिसके सकारात्मक परिणाम अब धरातल पर नजर आने लगे हैं।

मक्का की खेती से शुभम दुबे की जिंदगी में नया उत्साह

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं पोषण मिशन के तहत किसानों को पारंपरिक फसलों के साथ-साथ अधिक उत्पादन देने वाली फसलों की ओर प्रेरित किया जा रहा है, जिससे प्रदेश में कृषि उत्पादन और किसानों की खुशहाली को नई गति मिल रही है। सरगुजा जिले के अम्बिकापुर विकासखंड के ग्राम कृष्णापुर निवासी कृषक शुभम दुबे की जिंदगी में नया उत्साह देखने को मिल रहा है। शुभम दुबे ने अपनी लगभग दो एकड़ भूमि पर मक्का की खेती की है। कृषि विभाग की ओर से उन्हें उन्नत किस्म के मक्का बीज, खाद और खरपतवार नियंत्रण के लिए आवश्यक दवाएं प्रदान की गई थीं।

कृषक शुभम दुबे ने बताया कि पहले वे अपने खेत में पारंपरिक रूप से सब्जियों की खेती किया करते थे, लेकिन उससे अपेक्षित उत्पादन और लाभ नहीं मिल पाता था। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं पोषण मिशन से जुड़कर जब उन्होंने उन्नत किस्म के बीज और पोषण प्रबंधन के साथ मक्का लगाया, तो पौधों का विकास काफी तेजी से हुआ। खरपतवार नियंत्रण के लिए सुझाई गई दवाओं के इस्तेमाल से फसल को पनपने का पूरा अवसर मिला। शुभम दुबे का कहना है कि फसल समय पर और बेहतर गुणवत्ता के साथ तैयार हो रही है, जिससे उन्हें बाजार में सही समय पर उपज बेचकर अच्छा दाम मिलने की पूरी उम्मीद है। इससे न केवल उनकी आय में वृद्धि होगी, बल्कि परिवार की आर्थिक स्थिति भी मजबूत होगी।

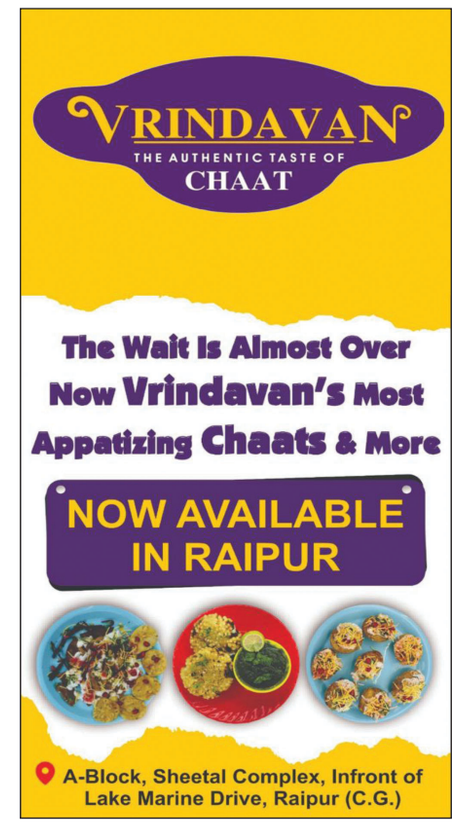

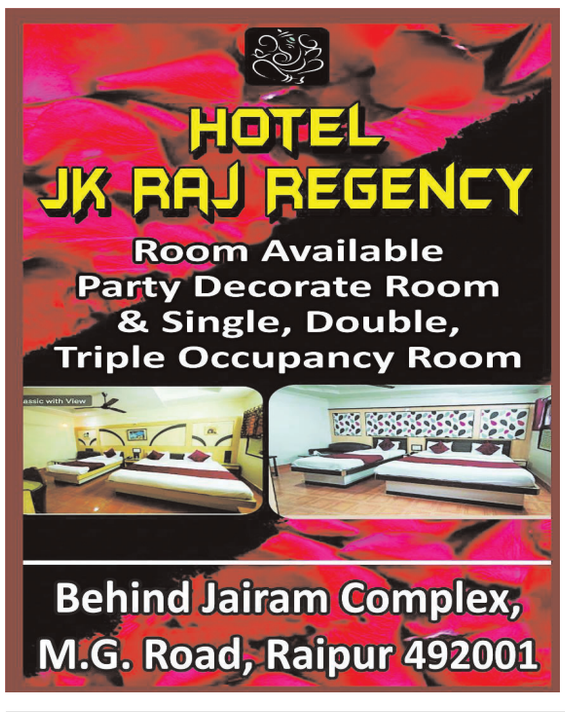

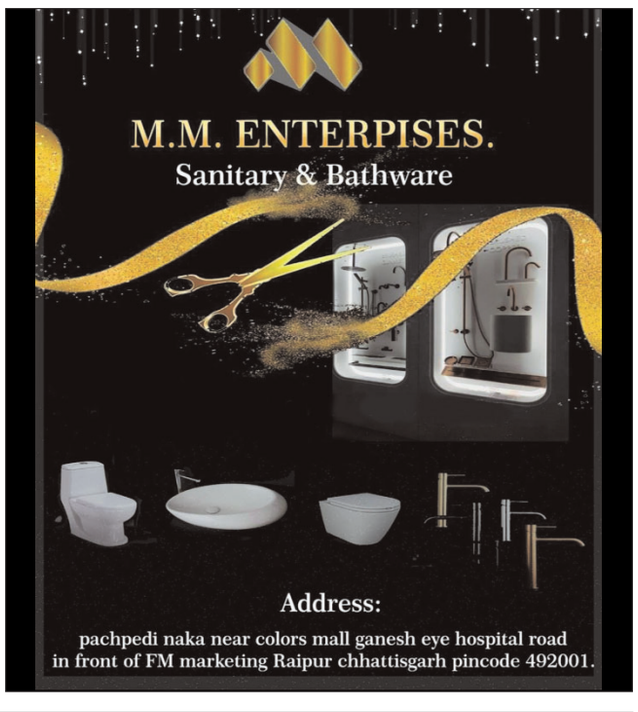

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक - **करण सिंह होरा** द्वारा आसमां पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड. जयस्तंभ चौक रायपुर, जिला-रायपुर (छत्तीसगढ़) से मुद्रित कर लक्ष्मी निवास नल घर चौक, अहमद जी भाई कालोनी रायपुर, जिला रायपुर (छत्तीसगढ़) पिन-492001 से प्रकाशित. **संपादक- करन सिंह होरा** मो. - 9669000000 CHHBIL/2023/88684